आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 90 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

शुभ विजयादशमी

भोपाल . गुरुवार . 02.10.2025

राहुल गांधी से तो यह नहीं हो पाएगा?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

पार्ट -3

बीते दो दशक से ज्यादा राहुल गांधी को लेकर चल रहे प्रयोगों की नाकामी और राहुल गांधी की कई मर्तबा रीलांचिग के बावजूद माकूल नतीजा नहीं निकलने के बाद कटु सत्य है कि राहुल गांधी के सहारे न तो तथाकथित इंडी गठबंधन सरकार बन सकती है और न कांग्रेस सशक्त विकल्प, जो देश के स्वस्थ लोकतंत्र की खातिर बेहद जरूरी है। लाख टके का सवाल यही है कि देश के लिए त्याग का दावा करने वाली गांधी फैमिली क्या किसी नए चेहरे पर दांव खेलने का साहस दिखाएगी? क्या गांधी फैमिली भाजपा के विकल्प के बतौर पर किसी को खड़ा कर सकती है जो मनमोहन सिंह या मल्लिकार्जुन खड़गे जैसा उम्रदराज और उनके रिमोट पर काम करने वाला न हो?

यह दावे अपनी जगह है कि गांधी परिवार ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी शहादत बुनियाद पर कांग्रेस को खड़ा करके रखा है। लेकिन इसके सहारे कांग्रेस की फैमिली पार्टी सिस्टम के सहारे देश चलाने की हसरत तो पूरी नहीं हो सकती। संजय गांधी के असामयिक निधन के बाद तो इंदिरा गांधी के पास गांधी परिवार को विकल्प के तौर पर कांग्रेस को चलाने के लिए राजीव गांधी जैसा चेहरा था। राजनीति के हिसाब से बेहद भोले भाले राजीव गांधी को यह उम्मीद कतई नहीं रही होगी कि कांग्रेस की सियासत में लॉचिंग के बाद इतनी जल्दी देश की कमान संभालना होगी। इंदिरा जी की शहादत के चलते राजीव गांधी ने परिवार की विरासत की खातिर यह किया। लेकिन राजनीति के मैदान में राजीव गांधी थोड़ा कच्चे साबित हुए। उनको घेरकर बैठी कोर मंडली ने ऐसे गुल खिलाए 1989 के चुनाव में राजीव गांधी को सत्ता गवांना पड़ी। हालांकि गैर कांग्रेसवाद के नाम पर मोरारजी देसाई के बाद विपक्ष का प्रयोग दूसरी बार वीपी सिंह की अगुआई में अपनाया गया जो ज्यादा लंबा नहीं चल सका।

राजीव गांधी की शहादत के बाद जब सबसे बड़ी पार्टी के बतौर कांग्रेस उभरी तो उसके सामने स्पष्ट बहुमत जुटाने के लिए दूसरे दलों की दरकार थी। गैर गांधी परिवार का नेता बनाना भी मजबूरी भी थी। क्योंकि सोनिया गांधी खुद परिवार की विरासत को आगे लायक थीं और न उनके दोनों बच्चे यानि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी। ऐसे में पीवी नरसिम्हा राव को लाया गया, लेकिन न तो राव और अध्यक्ष के बतौर बीसवी सदी के आखिरी दौर में सीताराम केसरी गांधी परिवार का रिमोट नहीं बन सके। इसके बाद परिवार ने तय कर लिया कि वह कांग्रेस को चलाने के लिए परिवार के बाहर का कोई प्रयोग नहीं करेगी। इसी के चलते सोनिया गांधी ने कांग्रेस की कमान संभाल ली। तभी तय कर लिया गया कि भविष्य में ऐसे शख्स को तो प्रधानमंत्री कतई नहीं बनाएगी जो मूलत- राजनीतिज्ञ हो। इसी के चलते 2004 में डॉ. मनमोहन सिंह की अगुआई में दस साल कांग्रेस के बैनर चले यूपीए सरकार सोनिया के रिमोट से चली।

इसके बाद शुरू हुआ मोदी काल। यानि 2014 में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े के साथ भाजपा की एनडीए घटक दलों के साथ मिलकर सरकार बनी। बस इसके साथ ही गांधी परिवार के इम्तिहान की असली घड़ी आ गई। मोदी ने राजनीति में परिवारवाद को जो नारा छेड़ा उसने जनता को काफी जागरूक किया। लेकिन सोनिया गांधी ने 18 साल तक कांग्रेस की कमान अपने बेटे राहुल गांधी को सौंपी तो 2019 में भाजपा और भी आगे बढ़ गई। यानि 300 का आंकड़ा पार कर गई। राहुल ने अध्यक्ष पद छोड़ दिया तो कांग्रेस ने तदर्थ व्यवस्था के तहत सोनिया गांधी दो साल तक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनी रहीं।

इसके बाद कांग्रेस मल्किार्जुन खरगे सरीखे 83 साल के कांग्रेसी को यही सोचकर लाई कि खरगे की उम्र के चलते सियासी हसरतें नहीं हैं। फिर राहुल गांधी कांग्रेस की मुख्यधारा में लौटे। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए उनकी रीलॉचिंग हुई। 2024 के चुनाव में भाजपा की कई रणनीतिक गफलतों और मुगालतों के बीच भाजपा के कुछ नेताओं ने ऐसे बोल वचन भी बोले जो उसका नुकसान करा बैठे। राहुल गांधी ने जनता में भ्रम पैदा कर दिया कि भाजपा के रहते संविधान खतरे में हैं और आरक्षण भी खत्म करेगी। इसी के सहारे वे कांग्रेस को 99 सीटों तक ले जाकर यह समझ बैठे कि भारत की जनता ने उनके नेतृत्व को मंजूर कर लिया है। लेकिन जल्द ही हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों में उनके मुगालतों का गुब्बारा फूट गया। रही सही कसर बिहार के चुनाव के नतीजों से निकल जाएगी।

सत्ता में वापसी का ख्वाब भी देखना मुश्किल

तीन दशक पहले तक तो कांग्रेसी कहते थे कि गांधी परिवार के बगैर कांग्रेस चल सकती। लेकिन कांग्रेस एक बार नहीं कई बार टूटी। बंगाल में कांग्रेस की खुर्राट नेत्री ममता बनर्जी वे तृणमूल कांग्रेस की राह पकड़ी और वह उसमें कामयाब भी रहीं। आंध्र में वाईएसआर रेड्डी के बेटे ने गांधी परिवार की तरह अपने पिता के उत्तराधिकारी बनने की हसरत पालने के लिए कांग्रेस छोडना ही पड़ी। उन्होंने एक बार अपनी सरकार बनाकर बता ही दिया कि गांधी परिवार के बगैर भी कांग्रेस चल सकती है। बंगाल ,बिहार, यूपी, महाराष्ट्र में कांग्रेस के नामोनिशान भर बाकी हैं। पंजाब की अच्छी खासी सरकार को डुबाने का सेहरा भी राहुल गांधी के सिर ही बंधता है। जिन भी राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी या बनती है उसमें गांधी परिवार का कोई योगदान नहीं रहता। क्षेत्रीय क्षत्रपों के भरोसे ही कांग्रेस ने मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड या हिमाचल और पंजाब शामिल हैं। लेकिन दो दलों के अलावा जहां भी तीसरे दल की मजबूत एंट्री हुई वहां कांग्रेस हाशिए में चली गई। अब ऐसे हालात में सवाल यही है कि क्या गांधी परिवार कांग्रेस को फिर सत्ता में लाने या मजबूत विकल्प के बतौर खड़ा होने किसी ऐसे चेहरे को सामने लाने का साहस दिखा सकती है, जो उसके मूलपिंड पर लौटा सके? यह बात तय है कि राहुल और उनकी मंडली ने कांग्रेस की मूल विचारधारा में यकीन करके राजनीति कर रहे नेताओं के बीच इतनी बड़ी खाई पैदा कर दी है कि राहुल गांधी की अगुआई में तो कांग्रेस देश की सत्ता में वापसी तो दूर उसका ख्वाब भी नहीं देख सकती।

निर्भरता हमारी मजबूरी न बने, हिंसा से स्थायी समाधान संभव नहीं : भागवत

विजयादशमी समारोह में कहा - पहलगाम हमले से दोस्त-दुश्मन की पहचान हुई

नईदिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आज नागपुर के रेशमबाग मैदान में आयोजित विजयादशमी समारोह में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पारंपरिक शस्त्र पूजा के बाद देशवासियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने आतंकवाद, स्वदेशी, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकता और वैश्विक उथल-पुथल जैसे मुद्दों पर विचार रखे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की, जिसका भारतीय सेना और सरकार ने पूरी तैयारी के साथ मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने इस घटना को एक सबक बताते हुए कहा कि यह हमें दोस्त और दुश्मन की पहचान सिखाती है।

संघ प्रमुख ने नक्सलवाद और उग्रवाद पर सरकार की कठोर कार्रवाई की प्रशंसा की और कहा कि ऐसी प्रवृत्तियों को पनपने नहीं देना चाहिए। उन्होंने वैश्विक उथल-पुथल और पड़ोसी देशों में हिंसक आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि हिंसा से स्थायी बदलाव संभव नहीं है। भागवत ने सामाजिक समस्याओं के प्रति सरकार की सजगता की सराहना की और युवाओं में बढ़ती देशभक्ति की भावना को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विश्व आज भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि परिवर्तन धीरे-धीरे व सावधानीपूर्वक करना होगा, अन्यथा गाड़ी पलट सकती है। उन्होंने सृष्टि की रक्षा करने वाले धर्म के मार्ग को विश्व के सामने प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। भागवत ने कहा कि समाज के आचरण में परिवर्तन लाकर ही व्यवस्था में बदलाव संभव है। इस समारोह में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कोविंद ने अपने संबोधन में कहा कि संघ में जातीय आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। संघ सामाजिक एकता का पक्षधर रहा है। मेरी जीवन यात्रा में स्वयंसेवकों के साथ जुड़ाव और मानवीय मूल्यों से कैसे प्रेरणा मिली, इसका उल्लेख अपनी आत्मकथा में किया है, जो इस साल के अंत तक प्रकाशित हो जाएगी। साथ ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित थे।

नागपुर में विजयादशमी कार्यक्रम में मौजूद संघ प्रमुख मोहन भागवत एवं पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

मजबूरी में न बदल जाए निर्भरता

अमेरिका के टैरिफ नीतियों का उल्लेख करते हुए मोहन भागवत ने स्वदेशी को अपनाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्भरता को मजबूरी में नहीं बदलना चाहिए। पड़ोसी देशों में हाल के आंदोलनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को अपनी नीतियों और संसाधनों पर आत्मनिर्भर होकर मजबूत बनना होगा।

विविधता में एकता और सद्भाव

संघ प्रमुख ने भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता को देश की ताकत बताते हुए कहा कि सभी पूजा पद्धतियों और महापुरुषों का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने समाज में भेदभाव को उभारने की कोशिशों पर चिंता जताई और सद्भावनापूर्ण व्यवहार को सभी की जिम्मेदारी बताया। भागवत ने कहा कि भारत एक बड़े समाज का हिस्सा है।

जैसा आपको देश चाहिए वैसा आपको होना पड़ेगा

मोहन भागवत ने कहा, भाषण देने वालों को भी अपने जीवन में बदलाव लाना होगा। उन्हें उदाहरण देना पड़ेगा। जो समाज को अपना मानकर चलते हैं, वैसा नेतृत्व चाहिए। संघ का अनुभव है कि व्यक्ति निर्माण से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से व्यवस्था परिवर्तन होता है। उन्होंने कहा कि सब जगह ऐसा ही होता है। हर एक राष्ट्र में समाज का अपना तरीका था सब जगह खत्म हो गया लेकिन भारत में यह अभी भी चल रहा है। समाज के क्रियाकलापों से मुनष्य का निर्माण होता है। भागवत ने कहा, आदत बदले बिना बदलाव नहीं आता। जैसा आपको देश चाहिए वैसा आपको होना पड़ेगा। संघ की शाखा ये आदत बदलने का तरीका है। 100 सालों में सबकुछ देखा संघ को राजनीति में आने का न्योता मिला लेकिन उसने नहीं किया। स्वयंसेवकों ने शाखा को हमेशा चलाया है। आदत बननी चाहिए, लेकिन छूटनी नहीं चाहिए।

पीओके में खूनी होता जा रहा आंदोलन कई जगह झड़प, फायरिंग में 20 की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) में लगातार हो रही हिंसा और पुलिस दमन से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेकेएएसी) के केंद्रीय नेता शौकत नवाज मीर के आह्वान पर हजारों कार्यकर्ता और समर्थक मुजफ्फराबाद की ओर कूच कर रहे हैं। इस दौरान कई जगहों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें मृतकों की संख्या अब तक 20 होने की खबर है। इसके अलावा सौ से अधिक घायल बताए गए हैं।

कोटली जिले में जेकेएएसी की अपील पर पूरा बंद रहा। जगह-जगह धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं। रावलाकोट और बाघ से आए लगभग 2,000 प्रदर्शनकारियों का काफिला जब धिरकोट पहुंचा तो पुलिस ने फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में चार नागरिकों की मौत हो गई, जबकि करीब 16 लोग घायल हुए। राजधानी मुजफ्फराबाद में धिरकोट की घटना के खिलाफ लाल चौक पर करीब 2,000 लोग धरने पर बैठे। इस दौरान पुलिस ने हवाई फायरिंग और आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें दो और नागरिकों की मौत हो गई। चकस्वारी और इस्लामगढ़ से निकले जेकेएएसी समर्थकों के काफिले को भी पुलिस ने निशाना बनाया। इस घटना में दो लोगों की मौत और करीब 10 लोग घायल हुए। पीओके सरकार के मुख्य सचिव ने जेकेएएसी नेताओं को बातचीत के लिए बुलाने का नोटिस जारी किया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि यदि विरोध प्रदर्शन बंद नहीं किए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। लंदन स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर बड़ा प्रदर्शन किया गया।

न्यूज विंडो

बुरहानपुर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव

बुरहानपुर, एजेंसी। धार्मिक स्थल के सामने से निकल रही दुर्गा झांकी पर पथराव हो गया। दो पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर पथराव की बात सामने आई है। घटनाक्रम के बाद देर रात हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। वह कुछ लोगों पर एफआईआर की मांग पर अड़े हुए थे। दरअसल, नेपानगर तहसील के ग्राम नयाखेड़ा में बुधवार दोपहर प्रतिमा विसर्जन में डीजे बज रहा था। इसी दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। पथराव में एक युवक को चोटें आईं और एक छोटी प्रतिमा खंडित हो गई। हिंदू संगठन रात में थाने पहुंचे। नारेबाजी करते हुए आरोपियों पर एफआईआर की मांग की।

बागेश्वर धाम में वीआईपी मुलाकातें हुई बंद

छतरपुर, एजेंसी। बागेश्वर धाम में वीआईपी और वीवीआईपी मुलाकातें नहीं हो पाएंगी। पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खुद ये ऐलान किया है। बुधवार रात दिव्य दरबार में उन्होंने कहा- अब धाम आने वाले वीआईपी सिफारिशकर्ताओं से मुलाकात नहीं की जाएगी। धाम पर केवल उन्हीं भक्तों को प्राथमिकता मिलेगी, जो सच्चे श्रद्धालु बनकर बिना किसी सिफारिश के दर्शन और आशीर्वाद लेने आते हैं।

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन

वाराणसी/मिर्जापुर, एजेंसी। शास्त्रीय गायक, पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का आज तड़के निधन हो गया। वे 89 साल के थे। उन्होंने सुबह 4.15 बजे बेटी नम्रता मिश्रा के मिर्जापुर स्थित घर पर अंतिम सांस ली। छन्नूलाल मिश्र का खेले मसाने में होली... गीत आज भी हर किसी की जुबां पर है। पंडित छन्नूलाल मिश्र की चार बेटियां और एक बेटा है।

अवकाश सूचना

विजयादशमी के अवसर पर दोपहर मेट्रो कार्यालय में शुक्रवार 3 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अगला अंक शनिवार 4 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

मेट्रो एंकर | बार-बार शिकायत करने वालों की पहचान करने की तैयारी, कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

सीएम हेल्पलाइन से समाधान मिलना तय नहीं... लेकिन शिकायत करने वालों को ही ब्लैकमेलर तक साबित कर सकता है प्रशासन!

शशिकांत टिमोले ,सागर

आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और उनकी सुविधा के लिए सरकार चाहे जो पॉलिसी बनाए, अफरशाही की जिद और ठसक के आगे सब धराशायी हो जाता है। सूचना के अधिकार के हाल किसी से छिपे नहीं हैं, जहां लाख कोशिश के बाद भी अधिकारी सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराते। इसके बाद एक रास्ता राज्य सरकार की सीएम हेल्पलाइन योजना है, लेकिन अब यह भी अफसरों को रास नहीं आ रही है। इसका उदाहरण खुद हेल्पलाइन में पदस्थ अफसर पेश कर रहे हैं। उन्होंने सभी जिलों को पत्र भेजकर कहा है कि बार बार शिकायत करने वालों की पहचान करें। इसके बाद इन्हें ब्लैकमेलर शिकायतकर्ता की श्रेणी में रखा जाएगा और कड़ी कार्रवाई होगी। सवाल उठना लाजमी है कि प्रशासन की ऐसी कार्रवाई से क्या आम शिकायत करने वाले भयभीत नहीं हो जाएंगे? और क्या इससे नागरिकों की सुनवाई करने की अहम् योजना फ्लॉप नहीं हो जाएगी।

इधर ,पत्र मिलने के बाद सागर के कलेक्टर संदीप जी आर ने जरा भी देर नहीं की और इसके लिए बाकायदा आदेश जारी कर कर दिया। कलेक्टर का कहना है कि सीएम हेल्पलाइन योजना प्रशासनिक अधिकारियों को ब्लेकमेल करने या उन पर दवाब बनाने का सबब बन गई है। ऐसे में अब झूठी शिकायत करने वालों को चिन्हित किया जाएगा। उन्हें लगता है कि कुछ लोग अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव बनाने या निजी स्वार्थ साधने के लिए बार-बार शिकायतें दर्ज कराते हैं। अब ऐसे लोग ब्लैकमेलर शिकायतकर्ता कहलाएंगे और उनपर सख्त कार्रवाई होगी। बताया जाता है कि सीएम हेल्पलाइन का सर्कुलर मिला तो कलेक्टर ने शिकायतों की समीक्षा की और वे आश्वस्त हो गए कि योजना का दुरूपयोग हो रहा है। इस मुद्दे पर विरोध के स्वर भी आने लगे हैं। आरटीआई एक्टिविट पकंज सिंघई ने कहा कि कलेक्टर का यह फरमान शिकायतकर्ताओं पर दबाव बनाने की कोशिश है।

पोर्टल पर अपलोड होगी जानकारी

खबर है कि शिकायतकर्ताओं की पहचान करने और तत्काल जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने के लिए फार्मेट भी तय हो गया है। इसमें शिकायतकर्ता का नाम, मोबाइल नंबर, अब तक दर्ज कुल शिकायतों की संख्या सहित रिमार्क भी देना होगा। वैसे अभी भी ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं जिनमें अधीनस्थ अधिकारी खुद शिकायतकर्ता को फोन कर शिकायत वापस लेने के लिए धमकाते हैं। उनसे यह भी कहा जाता है वे शिकायत का समाधान हो जाने की जानकारी अपलोड कर दें।

गैस पीड़ितों के 6 अस्पताल और 15 डिस्पेंसरी फिर भी रेफर हो रहे मरीज

चिकित्सकों के आधे से ज्यादा पद खाली, तकनीशियन की भी कमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दस लाख लोगों को इलाज देने बने गैस राहत अस्पताल में चिकित्सकों की कमी हैं। इलाज की कमी से गैस पीड़ितों का मर्ज बढ़ रहा है। यहां चिकित्सकों और ट्रेंड स्टाफ के करीब पचास प्रतिशत पद खाली है। इलाज नहीं मिलने से मरीज रेफर हो रहे हैं। इलाज के लिए गैस पीड़ति जेपी, हमीदिया और एस पहुंच रहे हैं। इनके लिए शहर में छह अस्पताल, 15 डिस्पेसरी हैं।

गैस कांड में रिसी गैस का असर फेफड़ों पर हुआ। इलाज के लिए बने पल्मोनरी अस्पताल में स्पेशलिस्ट चिकितसकों की कमी है। चार मंजिला भवन में यह अस्पताल संचालित है। इलाज से लेकर मरीज भर्ती किए जाते हैं। राजधानी में करीब छह लाख गैस पीड़ति हैं और चार लाख इनके आश्रित हैं। बीएमएचआरसी सहित छह अस्पताल इन्हें इलाज देने के लिए बने। डीआईजी बंगला अस्पताल में हाल में अनट्रेंड स्टाफ के जरिए जांच करने का मामला सामने आ चुका है। बीएमएचआरसी मे एमआईआर जांच में देरी की शिकायतें हैं। शहर के छह अस्पतालों में हर रोज करीब चार हजार लोग पहुंचते हैं। इनमें गैस पीड़ति और उनके आश्रित शामिल हैं। मरीजों के लिए इलाज के लिए बने अस्पताल में इलाज की कमी है। बहुत से डाक्टर नहीं है। मरीज आधा अधूरा इलाज करा लौट आते हैं। गैस कांड के चालीस साल बाद भी यह हाल है। जबकि इसके लिए करोड़ों रुपए बजट है।

जांच में हो रही देरी

जांचों की सुविधा बीएमएचआरसी में हैं लेकिन इसमें देरी हो रही है। डिस्पेसरी से मरीजों को रेफर किया जा रहा है। मजबूरन निजी असप्तालों की ओर जाना पड रहा है।

मिनी यूनिट कबाड़ के बीच, संकरी गलियों में इलाज

भोपाल मेमोरियल हास्पिटल के अलावा इससे जुड़ी आठ डिस्पेंसरी हैं। शहर के अलग अलग हिस्सों में इसके भवन बने। इसके निर्माण पर करोड़ों रुपए खर्च हुए हैं। लेकिन रास्ते पर कबाड़ के ढेर हैं। यहां इलाज कराना है तो कबाड़ के बीच से जाना होगा।

पीड़ितों के लिए अस्पताल

भोपाल मेमोरियल हास्टिपल एवं रिसर्च सेंटर
जवाहर लाल नेहरू हास्पिटल
इंदिरा गांधी हास्पिटल विशेष
रूप से महिला के लिए
कमला नेहरू हास्पिटल, पल्मोनरी हास्पिटल
शाकिर अली हास्पिटल,
मास्टर लाल सिंह हास्पिटल

बीएमएचआरसी की 8 यूनिट

शहर में बीएचएचआरसी की आठ यूनिट हैं। सामान्य इलाज के लिए ये बनी। इनमें तीन पास भव्य बिल्डिंग है। बाकी के लिए अलग इंतजाम हुए।

पुलिस ट्रेनिंग में बेसिक कम्प्यूटिंग से अब एआई तक की पढ़ाई होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बदलते दौर के साथ पुलिस की चुनौतियां भी बदलने लगी है। परंपरागत अपराधों की जगह अब साइबर अपराधों के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। ऐसे में आने वाले पुलिस के जवानों को नई तकनीक के मुताबिक तैयार करने के लिए पहली बार पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में साइबर का विशेष पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। जिसको लेकर प्रशिक्षण शाखा द्वारा राज्य साइबर सेल के साथ मिलकर पाठ्यक्रम के दो विशेष मॉड्यूल तैयार किए हैं। जिन्हें सभी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पढ़ाने के लिए लागू कर दिया गया है। इसमें बेसिक कप्यूटिंग से एआइ और डार्क वेब की भी जानकारी दी जाएगी। साइबर के पाठ्यक्रम को खासतौर पर पुलिस में शामिल होने वाले नवआरक्षकों के लिए तैयार किया गया है। ट्रेनिंग सेंटर से तीन-तीन मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए। जिन्हें राज्य साइबर मुयालय में विशेष प्रशिक्षण दिलाया गया। इसमें बनाने में साइबर एसपी प्रणय नागवंशी सहित अन्य शामिल रहे। ट्रेनिंग के बाद कोर्स को लागू किया गया है।

पीएचक्यू ने नए रंगरूटो के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किए दो नए कोर्स

तकनीकी रूप से दक्ष बनेंगे नए रंगरूट

प्रशिक्षण ले रहे नए रंगरूटों के लिए तैयार किए दोनों मॉड्यूल को रिसर्च कर तैयार किया गया है। जिसके पहले मॉड्यूल में बेसिक कयूटर के बारे में बताया गया है। जिसमें एक्सल, पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के साथ कप्यूटर के बुनियादी हार्ड वेयर पार्ट और सॉटवेयर की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए बकायदा चैप्टर ग्राफिक्स के साथ डिजाइन किए गए है। मॉड्यूल के दूसरे भाग को हाईटेक रखा गया है। इसमें साइबर से जुड़ी तमाम छोटी बड़ी जानकारी जैसे हैकिंग, सुरक्षा, डार्क वेब सहित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल किया गया है।

आरएसएस की शाखाओं में मनाया विजयादशमी उत्सव

सुनील भंडारी, भोपाल

नारायण नगर विधुत भाग कोरल वुड्स सोसायटी में आज श्रीराम शाखा द्वारा विजयदशमी उत्सव प्रातः साढ़े सात बजे से प्रारंभ हुआ। मिसरोद बस्ती प्रमुख प्रफुल्ल दानी ने संबोधन में विजयदशमी के महत्व एवं संघ की स्थापना की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए हिंदू समाज को जागृत एवं संगठित करने का आह्वान किया। संबोधन के पहले ध्वज प्रणाम, शस्त्र पूजन, घोषवाद, प्रदक्षिणा स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। फिर संघ की घोषवाद की धुन पर ध्वज वंदन किया गया, तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने योग, दंड, नियुद्ध, शारीरीक प्रत्याक्षिक भी किया। इस समारोह में स्वयंसेवकों ने सबसे पहले शस्त्र पूजा की, जो धर्म की रक्षा और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

श्रीराम शाखा के कार्यवाह सी के बाजपेई ने बताया कि 100 साल पहले डॉ. केशव हेगडेवार ने आज ही के दिन समाज को संगठित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी जिसके स्वयंसेवक समाज के हर क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से समाज सेवा और समाज जागरण का कार्य कर रहे हैं। जितेंद्र पटेल नगर प्रचारक नारायण नगर द्वारा पथ संचालन की समीक्षा करते हुए घर-घर संपर्क कर गणवेश वितरण के साथ ही हिंदू समाज के सभी वर्गों को शामिल करने पर जोर दिया। एकल गीत का गायन शिक्षक संजय वर्मा द्वारा किया गया। ज्ञात हो की

विजयादशमी उत्सव संघ की देशभर की 83 हजार से अधिक शाखाओं में भी मनाया जा रहा है। 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने आरएसएस की शुरुआत की थी।

एम्स ब्लड बैंक शाखा से प्लाजमा के 2 पैकेट चोरी

भोपाल। एम्स की ब्लड शाखा से प्लाजमा चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी के बाद प्रबंधन ने जब सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए तो आउटसोर्स कर्मचारी प्लाजमा चुराते हुए नजर आया। घटना 27-28 सितंबर की दरमियानी रात की बताई जा रही है। सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर बागसेवनिया पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार ज्ञानेंद्र प्रसाद, एम्स में सुरक्षा अधिकारी हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि गत दिनों ब्लड बैंक शाखा से अज्ञात व्यक्ति ने प्लाजमा चुरा लिया। उन्होंने प्रबंधन को घटना की जानकारी दी। साथ ही ब्लड बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज सौंपे। फुटेज में आउटसोर्स कर्चारी अंकित केलकर और उसका साथी ब्लड बैंक में घुसकर दो पैकेट प्लाजा चुराते हुए नजर आ रहे हैं। प्रबंधन ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

सिटी मोटर्स के आउटलेट संचालक ने किया साढ़े 17 लाख का गबन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन पुलिस ने सिटी मोटर्स कंपनी के संचालक की शिकायत पर कंपनी के आउटलेट संचालक के खिलाफ 17 लाख 29 हजार 442 रुपए के गबन का मामला दर्ज किया है।फरियादी ने करीब तीन माह पूर्व शिकायती आवेदन दिया था। जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सेक्टर-एक, औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा थाना अशोका गार्डन निवासी आरएस आनंद (52) सिटी मोटर्स कंपनी के संचालक हैं। यह कंपनी नारायण नगर होशंगाबाद रोड पर एक अधिकृत आउटलेट का संचालन करती है। इसके संचालन की जिम्मेदारी शहंशाह गार्डन में रहने वाले हरदीप सिंह गुलाटी को दी गई थी। इस आउटलेट पर मारुति सुजुकी के स्पेयर पार्ट्स की अधिकृत बिक्री की जाती है। मार्च माह के अंत में वर्षांत लेखा परीक्षण के दौरान तथा ग्राहकों से मिली शिकायतों के आधार पर कंपनी ने आंतरिक जांच की। जांच में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं और गबन सामने आए। एक तो कंपनी के मारुति स्पेयर पार्ट्स का करीब एक लाख 51 हजार 260 रुपए मूल्य का माल स्टॉक से कम पाया गया। वहीं उधारी वाले ग्राहकों से मिले तीन लाख 12 हजार 464 रुपए हरदीप सिंह गुलाटी ने कंपनी के खाते में जमा न कर अपने व्यक्तिगत खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसकी पुष्टि खुद ग्राहकों ने की। कई मामलों में कस्टमर का भुगतान एक व्यक्ति के नाम से लिया गया जबकि रसीद व जमा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से दशार्या गया। यह दस्तावेजी हेराफेरी का गंभीर मामला सामने आया। वर्तमान में आउटलेट की कुल बकाया राशि सात लाख 17 हजार 115 रुपए है। ग्राहकों ने हरदीप सिंह गुलाटी को यह भुगतान नगद अथवा अन्य माध्यम से पहले ही कर दिया था, लेकिन राशि कंपनी के खाते में नहीं आई। ग्राहकों को बिना बिलिंग या उचित पेपर वर्क के माल दिया गया और रिटर्न किए गए माल का कोई रिकार्ड भी नहीं रखा गया। अग्रिम राशि लेकर न तो ग्राहकों को माल दिया गया और न ही राशि कंपनी को जमा की गई। इस वजह से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। माह जून 2025 तक कंपनी को इन कृत्यों की वजह से 17 लाख 29 हजार 442 रुपए का नुकसान हो चुका है। फरियादी ने शिकायती आवेदन में कहा है कि यदि हरदीप सिंह गुलाटी के बैंक खातों की जांच की जाए तो और कई प्रकार के गबन के मामले सामने आ सकते हैं।

कंपनी की रकम अपने खाते में कराई जमा, पुलिस ने दर्ज किया जालसाजी का प्रकरण

पदोन्नति प्रावधानों में उलझी सरकार, कर्मचारियों की टूटी उम्मीदें

राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ ने की सशर्त पदोन्नति देने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिछले 9 वर्षों से पदोन्नति के लाभ से वंचित हजारों लोक सेवक अब सरकार की मंशा और कर्मचारी हितैषी निष्ठा पर सवाल उठाने लगे हैं। राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ ने आरोप लगाया है कि खजाने की खातिर सरकार पदोन्नति की प्रक्रिया को कोर्ट की आड़ लेकर उलझाकर रखे हुए है। जिसका खामियाजा लोकसेवकों को उठाना पड़ रहा है।

संगठन प्रमुख एवं वरिष्ठ कर्मचारी नेता शील प्रताप सिंह पुंढीर ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारी पिछले 9 वर्षों से पदोन्नतियों पर लगी अघोषित रोक के लिए राज्य सरकार का ढुलमुल रवैया जिम्मेदार है। उनका कहना है कि सरकार चाहती तो पदोन्नति का रास्ता निकल सकता था। उन्होंने बताया कि विधि विभाग ने अपने अधिकारियों-कर्मचारियों को न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण में जारी अंतिम आदेश के अधीन पदोन्नतियां दीं हैं, तो राज्य सरकार भी अपने लोक सवकों को सशर्त पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। सरकार ने भ्रम फैलाने के उद्देश्य से पदोन्नति आदेश जारी कर कर्मचारियों से खूब वाह-वाही लूटी और स्वागत-अभिनंदन भी करवा लिया। बाद में सरकार अपने ही प्रावधानों में उलझ गई। इससे एक बार फिर कर्मचारियों की उम्मीद टूट गई। उन्होंने बताया कि नवीन पदोन्नति नियमों में कर्मचारी को जारी आदेश दिनांक से इसका लाभ देने के प्रावधान को कर्मचारी सहमत नहीं हैं। कर्मचारी चाहते हैं कि पदोन्नति रोक के आदेश दिनांक से इसका लाभ मिलना चाहिए। वर्ष 2016 से हजारों अधिकारी-कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत हो गए। जिसके वे भी हकदार थे। इस कारण प्रदेश कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। संगठन के प्रदेश महामंत्री व्यास मुनि चौबे, डॉक्टर देवीसिंह सनोदिया, उपाध्यक्ष भगवान सिंह ठाकुर, सुग्रीव सिंह, शोएब सिद्दीकी, रविशंकर त्रिपाठी, रमेश बाबस्कर, विनोद सिन्हा, जिलाध्यक्ष प्रणव खरे, लालाराम रैकवार, राहुल शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं मुख्य सचिव अनुराग जैन एवं सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव से मांग की है कि विधि विभाग की तरह अन्य विभागों के लोकसेवकों को पदोन्नतियों पर रोक की अवधि से सशर्त पदोन्नति दी जाए।

मेट्रो एंकर दुष्यंत संग्रहालय में शांति- गया स्मृति सम्मान समारोह

समाज की चिंता करना साहित्यकारों का दायित्व: डॉ. शिरीष

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ उर्मिला शिरीष ने कहा कि अपने समाज और आसपास की चिंता करना साहित्यकारों का विशेष दायित्व है। साहित्य, कला और खेल हमें संवेदनशील बनाते हैं ,एक दूसरे के निकट लाते हैं। वे शांति गया साहित्य कला एवं खेल संवर्धन समिति द्वारा दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रही थीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रसिद्ध रंगकर्मी और सिने अभिनेता राजीव वर्मा ने कहा कि सम्मान मिलने से लेखक और कलाकार की सामाजिक जिम्मेवारी बड़ जाती है। सम्मान हमें अपने काम को और समर्पण भाव से करने के लिए प्रेरित करते हैं 7 % इस अवसर पर साहित्यकारों, कलाकारों सहित अन्य क्षेत्रो में उपलब्धि हासिल करने वालों का सम्मान किया गया। जो सम्मान दिए गए उनमें शांति-गया स्मृति शिखर सम्मानः डॉ अखिलेश

पालरिया, अजमेर ,अनूप श्रीवास्तव स्मृति व्यंग्य शिरोमणि सम्मानः प्रभाशंकर उपाध्याय, एवं डॉ अजय अनुरागी, जयपुर। सुनील सक्सेना, भोपाल (विशेष सम्मान) ,नैली राजेश सिंह स्मृति कथा सम्मानः सुषमा मुनींद्र, सतना, अजय सिंह राणा, चंडीगढ़ (विशेष सम्मान)। नैली राजेश सिंह स्मृति कविता सम्मानः आशीष दशोत्तर, रतलाम ज्ञान स्मृति खेल रत्न सम्मानः सुबोध खांडेकर, झाँसी (अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी)। सरोज स्मृति खेल लेखन सम्मानः आत्माराम भाटी अजमेर, नैली राजेश सिंह स्मृति कला रत्न सम्मानः दिनेश मोवर सक्सेना, भोपाल; संतोष राजपूत, जबलपुर एवं दुर्गा उन्हाले, भोपाल शामिल हैं। प्रथम सत्र में साहित्यकार रामकिशोर उपाध्याय की अध्यक्षता एवं व्यंग्यकार रमेश सैनी के मुख्य आतिथ्य में सुनीता प्रकाश,आनंद तिवारी,चंद्रभान राही,सुनील जैन,भावेश दिलशाद,नवीन जैन और अवनींद्र खरे ने अपने गीत, ग़ज़लों, कहानियों, और लघुकथाओं का पाठ किया। इस अवसर पर ' मैं भी भारत' अजय सिंह राणा,'आहुति', सोनाली खरे और 'दशकंध ' चंद्रभान राही की पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। संचालन घनश्याम मैथिल अमृत और दामोदर आर्य ने किया।

बेटी से ज्यादती करने वाला पिता तेजाब डालने की दे रहा धमकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद पुलिस ने महिला की शिकायत पर दूसरे पति के खिलाफ तेजाब डलवाने और मर्डर करने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज कराया है। आरोपी ने महिला की 12 साल की बेटी के साथ ज्यादती की है। वह जमानत पर छूटा है। कोर्ट में बच्ची के बयान हो चुके हैं जबकि उसकी मां के बयान होना शेष हैं। आरोपी धमकी दे रहा है कि कोर्ट जाकर बयान दर्ज कराए तो मां-बेटी के टुकड़े-टुकड़े कर देगा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक करोंद इलाके में रहने वाली 30 साल की महिला ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसके दूसरे पति राजा (50) निवासी मॉडल ग्राउंड के पास शाहजहांनाबाद, ने 21 सितंबर 2024 को उसकी 12 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया था। पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत कोर्ट में केस चल रहा है। बच्ची के बयान हो चुके हैं जबकि मां के बयान होना बाकी है। महिला ने बताया कि विगत 10 सितंबर की रात वह अपनी मां की दवाइयां लेकर घर जा रही थी। उसी दौरान पीछा कर रहे राजा ने सिंधी कॉलोनी सिग्नल के पास रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए हमला करने की कोशिश की। धमकी देते हुए उसने कहा कि अगर बयान देने चली गई और केस वापस नहीं लिया तो वो मेरे व मेरी बच्ची के टुकड़े-टुकड़े कर देगा। पूरा घटनाक्रम सिंधी कॉलोनी चौराहे पर लगे कैमरे में कैद हो गया। महिला का कहना है कि इससे पहले भी राजा उसे कभी तेजाब डलवाने तो कभी मर्डर करने की धमकी दे चुका है। कई बार उसने गुंडे भी पीछे लगवा दिए। उसकी शिकायत महिला कई बार थाने में कर चुकी है। जब से राजा जमानत पर बाहर आया है लगातार धमकियां और मारने की कोशिश कर रहा है।

शक्ति पर्व में अमरकंटक थर्मल पावर प्लाट की उपलब्धि , ऊर्जा विभाग को मिली बधाई

इतिहास में पहली बार 365 दिन लगातार विद्युत उत्पादन करने का बना रिकार्ड

भोपाल, दोहपर मेट्रो

नवरात्रि के शक्ति पर्व में मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट यूनिट ने पूरे एक वर्ष 365 दिन निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन कर इतिहास रच दिया है। मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के 69 वर्ष के कार्यकाल में ऐसी उपलब्धि हासिल करना अपने-आप में ऐतिहासिक है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सभी वरिष्ठ अधिकारियों और अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं और कार्मिकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये बधाई दी और कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा उत्पादन में नई-नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है।

गौरव की बात : ऊर्जा मंत्री

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि यह उपलब्धि हासिल करना अत्यंत गौरव की बात है। इससे राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठता सिद्ध हुई और सकारात्मक छवि बनी है। उन्होंने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई, कंपनी के एमडी सहित सभी अभियंताओं और सहयोगी स्टाफ को बधाई दी है।

95.43 फीसदी का शानदार पीएलएफ

अमरकंटक की 210 मेगावाट की यूनिट ने जिस समय 365 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया तब इसने 95.43 प्रतिशत का शानदार प्लांट लोड फेक्टर, 98.26 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ) और 9.15 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन की उपलब्धि हासिल की।

ऑपरेशन व मेंटेनेंस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका | किसी यूनिट का लगातार एक वर्ष तक लगातार व निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। लेकिन अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की इस सफलता के पीछे ऑपरेशन और मेंटेनेंस टीमों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। दोनों टीमों ने समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन कर इस उपलब्धि को हासिल किया।

पेशेवर नजरिया व विशेषज्ञता का प्रमाण है यह सफलता

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि यूनिट के संचालन की जटिलताओं को इतनी कुशलता से प्रबंधन करना अमरकंटक ताप विद्युत गृह के पेशेवर नजरिया व विशेषज्ञता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि पावर जनरेटिंग कंपनी के अभियंता व तकनीकी कार्मिक न केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, बल्कि कंपनी के उत्कृष्टता मानकों को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

गुटबाजी: दिग्विजय की इंदौर यात्रा पर आमने-सामने

पार्टी के पुराने दिग्गज उठाने लगे समन्वय को लेकर सरेआम सवाल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

हाईकमान व वरिष्ठ नेताओं की लाख कोशिशों के बावजूद मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी खत्म नहीं हो रही है। वर्षों से मध्य प्रदेश में कांग्रेस इस रोग से ग्रसित है। इसी वजह से कांग्रेस की 15 माह की कमलनाथ सरकार भी गिर गई थी। अंतर्कलह को दूर करने के लिए पार्टी ने दूसरी पीढ़ी के नेताओं को आगे किया, लेकिन बीच बीच में कांग्रेस की गुटबाजी फिर से सामने आने लगी है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद पार्टी के कई नेता नियुक्तियों पर बवाल मचा है।

अब हाल ही में दिग्विजय सिंह के बिना सूचना के इंदौर पहुंचने पर जिला अध्यक्ष ने सवाल उठाए हैं। ऐसे में प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की कार्यप्रणाली लगातार सवालों के घेरे में आ रही है। कमलेश्वर पटेल के बाद अब अरुण यादव ने पार्टी में समन्वय को लेकर सरेआम सवाल उठाए हैं। हाल ही में इंदौर के शीतलामाता बाजार की कपड़ा दुकानों से मुस्लिमों नौकरी से निकालने की विधायक पुत्र एकलव्य सिंह गौड़ की चेतावनी को लेकर चल रहे विवाद के बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सीधे बाजार में पहुंच गए थे। उनके शहर कांग्रेस इकाई को सूचना दिए बिना सीधे प्रदर्शन में भाग लेने को लेकर पार्टी के भीतर विरोध सामने आया।

इंदौर में दिग्विजय सिंह का कांग्रेस नेताओं ने किया विरोध, फाईल फोटो

समन्वय राष्ट्रीय प्रभारी की जिम्मेदारी

इन मामलों पर राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस की राजनीति ऐसी ही चलती है, जो पावर में होता है वह अपनी चलाता है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समन्वय का काम राष्ट्रीय प्रभारी की जिम्मेदारी होती है। यदि वह यह नहीं कर पा रहे हैं तो पार्टी को उनके बारे में सोचना चाहिए।

पहले चौकसे और अब यादव ने उठाया मुद्दा

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बिना नाम लिए भोपाल से आने वाले नेताओं पर बिना सूचना कार्यक्रम करने पर आपत्ति जताई। इसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने लिखा कि पार्टी एवं पार्टी की विचारधारा के लिए वैचारिक और सतही संघर्ष आज समय की मांग है। सिर्फ भाषणों एवं बयानों से जहरीली विचारधाराओं से संघर्ष कर पाना नामुमकिन है। सभी को साथ रख कर अपनी विचारधारा को लेकर समन्वय और एकजुटता से हम संघर्ष करेंगे। तभी प्रदेश में हमारी सरकार बनाने का सपना साकार होगा। जिस साहस और ईमानदारी के साथ हमारे नेता राहुल गांधी संघर्ष कर रहे हैं, उसका एक प्रतिशत भी मध्य प्रदेश में हम अंगीकार कर लें तो संघर्ष की राह आसान हो जाएगी।

जिलाध्यक्षों को लेकर विवाद

कांग्रेस ने लंबे समय बाद जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की। इसके बाद ही करीब एक दर्जन जगह खुलकर नेताओं ने विरोध किया। इसमें पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व पर अपने लोगों को पद बांटने का आरोप लगाया। भोपाल में मोनू सक्सेना ने इसका जमकर विरोध किया और वरिष्ठ नेताओं तक शिकायत करने की बात कही। वहीं, इंदौर ग्रामीण में पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े को अध्यक्ष बनाया गया है। उनका भी कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं। यही स्थिति इंदौर शहर, उज्जैन ग्रामीण, देवास, सीहोर, सागर शहर और ग्रामीण, सीधी, दतिया और खंडवा के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर दिखी। इसके बाद पार्टी के विधायक कमलेश्वर पटेल ने कहा था कि गुटबाजी और प्रतिस्पर्धा हमेशा रही है, लेकिन इतनी गुटबाजी नहीं होना चाहिए। जो जिम्मेदार लोग हैं, उनकी जिम्मेदारी है। प्रदेश प्रभारी का काम समन्वय बनाने का है, न कि पार्टी बनने का। उन्होंने कहा कि मेरा तो प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से निवेदन है कि आपको खरगे जी, राहुल जी ने प्रदेश का महत्वपूर्ण पद दिया है, मुखिया बनाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्यस्तरीय वन्यजीव सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर वन विहार में टूरिस्ट व्हीकल्स (ई-व्हीकल्स) की सवारी की।

एमएसपी बढ़ाने का सीएम ने किया स्वागत, बोले-

किसानों के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा रबी फसलों की एमएसपी में वृद्धि को स्वीकृति देने का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि कर अन्नदाताओं का हित संवर्धन किया है। इस निर्णय से मध्यप्रदेश के किसान बंधु भी बड़े पैमाने पर लाभान्वित होंगे। किसानों के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तुलनात्मक रूप से देखें तो गत वर्ष की तुलना में गेहूं में 160 रुपये, जौ में 170 रुपये, चना में 225 रुपये, मसूर में 300 रुपये, रेपसीड और सरसो में 250 रुपये की वृद्धि की गई है। सर्वाधिक वृद्धि कुसुम के लिए 600 रुपये प्रति क्विंटल हुई है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये करने का निर्णय लिया है। इसी तरह जौ का समर्थन मूल्य 2150 रुपये, चना का 5875 रुपये, मसूर का 7000 रुपये, रेपसीड और सरसों का 6200 रुपये और कुसुम का 6540 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से बढ़ेगा दाल का उत्पादन

मुख्यमंत्री ने कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की स्वीकृति का निर्णय भी किसान हित की दृष्टि से ऐतिहासिक है। वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक दाल उत्पादन 350 लाख टन तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए 11 हजार 440 करोड़ रुपये का निवेश भी किया जाएगा। किसानों को दालों की नवीनतम किस्मों के उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाएगा, इसके लिए 88 लाख निःशुल्क बीज किट बांटे जाएंगे। फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने की रणनीति भी बनाई गई है, लगभग एक हजार

MPPSC की राज्य पात्रता परीक्षा-2025 में 31 विषय शामिल, जनवरी में आयोजन

इंदौर/ भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने सरकारी कॉलेजों में रिक्त सहायक प्राध्यापक पदों पर भर्ती के लिए राज्य पात्रता परीक्षा-2025 की घोषणा की है। यह परीक्षा 31 विषयों में आयोजित की जाएगी, जिसका आयोजन जनवरी-2026 में किया जाएगा। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया अगले सात दिनों में शुरू की जाएगी, साथ ही परीक्षा की तारीख भी जल्द निर्धारित की जाएगी। पात्रता परीक्षा में रसायन शास्त्र, वाणिज्य, हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, प्रबंधन, शारीरिक शिक्षा,

संगीत, संस्कृत सहित अन्य विषय शामिल हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यूजीसी की नेट परीक्षा का पाठ्यक्रम ही इस परीक्षा में मान्य होगा, जिससे उम्मीदवार नेट पाठ्यक्रम के आधार पर तैयारी कर सकेंगे। आवेदन ऑनलाइन किए जा सकेंगे और इसके लिए उम्मीदवारों को 20 से 25 दिनों का समय दिया जाएगा।

560 कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के पद रिक्त

पंजीयन की लिंक अगले कुछ दिनों में सक्रिय की जाएगी। आयोग के रवींद्र पंचभाई ने बताया कि परीक्षा की अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी, जिसमें परीक्षा की तारीख भी शामिल होगी। इस समय 560 से अधिक सरकारी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के पद रिक्त हैं, जिनमें साढ़े तीन हजार पदों पर भर्तियां होनी हैं। सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में 1600 पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों को नियुक्तियां दी जा रही हैं।

इसी माह से शुरू होगी बाघों की गणना

टाइगर स्टेट मप्र में बाघों की दहाड़ और होगी बुलंद

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भारत का गौरव माने जाने वाले बाघों की गिनती एक बार फिर शुरू होने जा रही है। टाइगर स्टेट का ताज रखने वाले एमपी में बाघों की संख्या आने वाले वर्षों में नया इतिहास रच सकती है। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार वर्ष 2026 में होने वाले टाइगर सेंसेस में प्रदेश के बाघों की संख्या 1000 से ज्यादा हो सकती है। वर्तमान में राज्य में 785 बाघ हैं और लगातार बढ़ते सुरक्षित आवास इस अनुमान को मजबूती देते हैं।

बाघों की गणना को पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए इस बार उन्नत तकनीक का सहारा लिया जाएगा। कैमरा ट्रैप, जीपीएस ट्रैकिंग, ड्रोन सर्वे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित ऐप के जरिए जंगल के हर हिस्से को खंगाला जाएगा। इससे पहले पचमढ़ी में आयोजित एक कार्यशाला में

अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को इन तकनीकों के उपयोग की बारीकियां सिखाई गईं। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व और संरक्षित क्षेत्रों में हाल के वर्षों में बाघों का संरक्षण सफल रहा है। बेहतर निगरानी और प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराना इस वृद्धि का सबसे बड़ा कारण है।

देश में छठी बार हो रही गिनती

राष्ट्रीय स्तर पर छठी बार बाघों की गणना हो रही है। इसमें मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और अन्य राज्यों के आंकड़े भी शामिल होंगे। भारतीय वन्यजीव संस्थान और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी इस अभियान की निगरानी करेंगे। विशेषज्ञ मानते हैं कि मौजूदा हालात यदि बने रहे तो प्रदेश में बाघों की संख्या चार अंकों में पहुंचना तय है। यह उपलब्धि न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात होगी और वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान और मजबूत करेगी। एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ एल. कृष्णमूर्ति ने कहा कि अक्टूबर माह में टाइगर की गणना होगी। यह गणना छह माह तक चलेगी। इसके बाद केंद्र सरकार अगले साल बाघों के संख्या के आंकड़े जारी करेगी।

समर्थन मूल्य पर धान ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन 10 तक

भोपाल। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 15 सितम्बर से शुरू हो चुका है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1255 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर तथा एम.पी. किसान एप पर भी की गई है।

मेट्रो एंकर — पर्यावरण-संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल

आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने प्राकृतिक पेंट बनाकर की अनूठी पहल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

ग्वालियर की आजीविका मिशन से जुड़ीं महिलाओं ने बडी, पापड़, अगरबत्ती और अचार से भी आगे बढ़कर अब गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण की अनूठी पहल कर महिला सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड की खेड़ापति स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्यों ने एकजुट होकर गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने का कार्य प्रारंभ किया। उनके द्वारा किए गए नवाचार को न केवल सराहा गया, बल्कि उन्हें आर्थिक संबल भी मिला। उनका यह कार्य पर्यावरण-संरक्षण की दिशा में भी एक अनुकरणीय पहल है।

आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने प्राकृतिक पेंट बनाकर एक अनोखी और सफल पहल की है। इस पहल से महिलाओं को न केवल अतिरिक्त आय का साधन मिला है बल्कि पर्यावरण-संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान हुआ है। यह पेंट गोबर से बनाया जाता है। इसमें किसी भी प्रकार के हानिकारक केमिकल का उपयोग नहीं होता। इस कारण यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए पूरी तरह सुरक्षित है और दीवारों को आकर्षक रंग भी प्रदान करता है। साथ ही मात्र 4 घंटे में दीवार पर लगा ये पेंट सूख भी जाता है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने समूह की महिलाओं को इस कार्य के लिए प्रेरित कर तकनीकी प्रशिक्षण एवं विपणन (मार्केटिंग) में भी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया। जिले के भितरवार ब्लॉक के ग्राम करहिया में गठित खेड़ापति स्व-सहायता समूह के सक्रिय सदस्यों ने आजीविका मिशन के माध्यम से आत्मनिर्भर की सच्ची मिसाल पेश की है। प्राकृतिक पेंट का उत्पादन स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ पर्यावरण-अनुकूल विकल्प साबित हो रहा है। और समूह की महिला सदस्य आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

पेंट बेचकर अच्छा मुनाफा कर रही महिलाएं

समूह की सदस्य संध्या कहती हैं कि हम पहले केवल घर तक सीमित थे, लेकिन अब अपने हाथों से बने पेंट को बेचकर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर रहे हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्च में मदद मिल रही है। प्राकृतिक पेंट बनाने की ट्रेनिंग से हमें नया हुनर मिला है। लोग हमारे पेंट की सराहना कर रहे हैं, जिससे हमें आगे और काम करने की प्रेरणा मिलती है। प्रशासन अब इस उत्पाद को सरकारी कार्यालयों एवं संस्थानों में भी उपयोग हेतु बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठा रहा है। यह पहल आने वाले दिनों में प्रदेश और देश के लिए प्रेरणा बनेगी।

एसआईआर की परीक्षा

इस साल के आखिर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में 7.4 करोड़ मतदाता एक नई सरकार चुनेंगे। चुनाव आयोग ने आखिरकार एसआईआर के बाद फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। SIR को लेकर जैसी प्रतिक्रिया और विरोध देखने को मिला था, उसकी तुलना में फाइनल वोटर लिस्ट पर अभी शांति नजर आती है। हालांकि राजनीतिक दल और जनता इससे संतुष्ट हैं या नहीं, इसका पता कुछ दिनों में चलेगा, जब लोग लिस्ट की जांच कर लेंगे।

पहले से कम नामः अंतिम सूची के पहले आयोग ने अगस्त में ड्राफ्ट रोल जारी किया था। उसमें 65 लाख नाम काटे गए थे, जिसे लेकर काफी हंगामा हुआ। विपक्ष ने सीधे चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठाए। अब इस फाइनल लिस्ट में ड्राफ्ट की तुलना में 17.9 लाख वोटर्स बढ़े हैं। हालांकि इंटेंसिव रिविजन के पहले के मुकाबले अब भी करीब 47 लाख वोटर कम हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि जो लोग पात्र हैं, वे विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले अप्लाई कर सकते हैं। इसी तरह से, लिस्ट के खिलाफ अपील करने का विकल्प भी कानून में है।

अधूरी तैयारियों से सवालः वोटर लिस्ट में नाम बढ़ने और घटने का सिलसिला लगातार चलता रहता है, लेकिन यहां सवाल उससे ज्यादा बड़ा - भरोसे का है। SIR को जिस तरह से आनन फानन में अंजाम दिया गया, उसकी वजह से जनता और विपक्ष के मन में कई सवाल पैदा हुए। हड़बड़ी और अधूरी तैयारियों का नतीजा रहा कि प्रॉसेस के बीच में डॉक्युमेंट्स को लेकर इतनी उलझनें खड़ी हुईं और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा।

भरोसे का संकटः वोटर रिविजन एक जरूरी प्रक्रिया है, लेकिन थोपने के बजाय अगर सहमति से चला जाए तो ज्यादा बेहतर है, क्योंकि आखिर में लोकतंत्र में लोक ही महत्वपूर्ण है। कहना होगा कि बिहार में संदेश इसका उल्टा गया। ऐसा माहौल बना कि रिविजन के नाम पर नागरिकता तय की जा रही है। नतीजा रहा कि अफरातफरी मच गई, ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक सरकारी ऑफिसों के बाहर कतारें लग गईं और किसी जिम्मेदार के पास कोई सटीक जवाब नहीं था।

बिहार का सबकः इलेक्शन नई सरकार चुनने के साथ ही जनता से जुड़े मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाने का भी मौका है, लेकिन बिहार में SIR की वजह से दूसरे मुद्दे पीछे छूट चुके हैं। आगे भी बहस इसी पर केंद्रित रहने के आसार दिख रहे। बिहार को एक सबक की तरह देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसके बाद बाकी राज्यों में भी यही प्रक्रिया दोहराई जानी है।

दशहरा पर विशेष

संस्कृति, शक्ति और सत्य का उत्सव है 'विजयादशमी'

योगेश कुमार गोयल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है।

मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

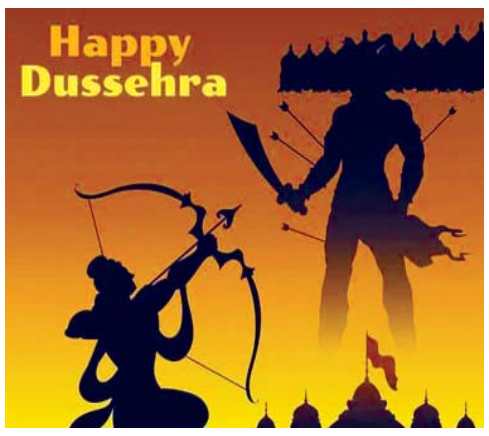

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराइयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल, हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है।

नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें।

शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों की समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

गांधी जयंती विशेष

प्रथम ऐतिहासिक भोपाल यात्रा से जुड़े स्थल : भूले-बिसरे-अदृश्य

डॉ. आलोक गुप्ता
सचिव, भोपाल स्वातंत्र्य आंदोलन स्मारक समिति

देसी रियासत भोपाल की भूमि को 10 दशक, यानि 96 वर्ष पूर्व, सन् 1929 में प्रथम बार बापू के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। आइए जाने बापू के भोपाल प्रवास से जुड़े कुछ दिलचस्प तथ्य तथा वे महत्वपूर्ण स्थल जिन्हें ऐतिहासिक महत्व प्राप्त होना चाहिए था - पर अब किस हाल में हैं ?

राहत मंजिलः नवाब भोपाल के आवास अहमदाबाद पैलेस के समीप स्थित रही इस शानदार इमारत का सदुपयोग वी.आई.पी. गेस्ट हाउस के रूप में होता था। महात्मा गांधी इस यत्र-तत्र-सर्वत्र खादी से सुसज्जित करी गयी इस इमारत में 8 सितंबर से 10 सितंबर 1929 तक रहे। 9 सितंबर को इसके प्रांगण में प्रार्थना सभा हुई थी जिसमें बापू के साथ बा एवं मीराबेन सहित अन्य आमंत्रित अतिथियों तथा नवाब भोपाल परिवार ने भी भाग लिया था। कहा जाता है कि राष्ट्रवादी नेताओं के इस इमारत में प्रवास के बाद विलीनीकरण स्वरूप सत्ता फिसलने से संभवतः इसे अशुभ मानते हुए इसे पूर्ण रूप ऐसा ढहाया गया कि इसके कोई अवशेष तक शेष नहीं हैं।

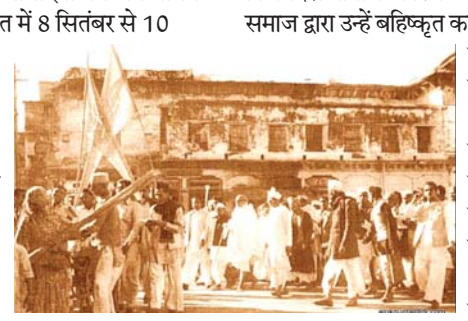

बेनज़ीर मैदानः नवाब शाहजहां बेगम द्वारा समर रेस्ट हाउस के रूप में बनवाए गए इस सुंदर महल के प्रांगण में स्थित मैदान में 10 सितम्बर 1929 को बापू की ऐतिहासिक यद्यपि विवादग्रस्त जनसभा हुई थी। नवाब भोपाल की पूरी कोशिश यही थी कि बापू की भोपाल यात्रा के रेलमार्ग की सही जानकारी, प्लेटफार्म नंबर से लेकर प्रस्थान तक प्रत्येक जानकारी पूर्णतया गुप्त रखी जाए जिससे भोपाल के राष्ट्रवादी गतिविधियों में रुचि रखने वाले व्यक्ति तथा आमजन उनसे न मिल सकें। परंतु बापू की रेल यात्रा के बीच खण्डवा से प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, कवि एवं पत्रकार, कर्मवीर के सम्पादक पं. माखन लाल चतुर्वेदी, श्री आगरकर सहित उनके साथ भोपाल में प्रवेश प्रतिबंधित होने के बावजूद बापू के साथ बने रहे। - यहां तक कि श्री सावरकर द्वारा भी गांधी जी के की भोपाल यात्रा की आलोचना करी गई। यह ऐतिहासिक सभा-स्थल विगत एक शताब्दी से पूर्णतया उपेक्षित है।

राहत मंजिल की ही भांति इसका भी दोहरा ऐतिहासिक महत्व है। यह मैदान विलीनीकरण जन अन्दोलन से इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि प्रथम विलीनीकरण दिवस 1 जून 1949 को इसी स्थान पर रियासत भोपाल में पहली बार शासकीय स्तर पर राष्ट्रीय तिरंगा प्रथम कमिश्नर नील बोनर्जी द्वारा फहराया गया था। नवाब भोपाल व उनके परिजनों द्वारा कमिश्नर के व्यक्तिगत आमंत्रण व् आग्रह के बावजूद इस समारोह को अटेंड नहीं किया गया था। इस समारोह के भी चित्र मेरे व्यक्तिगत संग्रह में मौजूद हैं। परंतु 1929 की यहाँ संपन्न ऐतिहासिक सभा का कोई चित्र अब तक उपलब्ध नहीं है।

मोढ़ों की बगियाः (गुजराती वणिक मोढ समाज की इतवारा स्थित बगिया)10 सितंबर 1929 को बापू के भोपाल प्रवास उपरान्त वापसी हेतु स्टेशन को लौटते समय मार्ग में स्थित इस प्रांगण में स्थानीय गुजराती वणिक मोढ़ समाज द्वारा सम्मान किया गया था। इस सम्मान समारोह में बापू को हरिजन फण्ड हेतु 501 रुपये की धनराशि भी भेंट करी गई थी जो कि इसी दिन सुबह बेनजीर मैदान में आयोजित भव्य जनसभा में प्राप्त धनराशि से बहुत अधिक थी। बापू इस सम्मान से अभिभूत थे, उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा के कारण उनके स्थानीय गुजराती वणिक मोड़ समाज द्वारा उन्हें बहिष्कृत कर दिया गया था, परन्तु भोपाल का मोढ़ समाज प्रगतिशील है जो उनको सम्मानित किया गया है।

भोपाल रेलवे स्टेशनः सन 1933 में हरिजन यात्रा के दौरान महात्मा गांधी ने पूरे देश में अनेक स्थानों की यात्रा करी. इस यात्रा के बीच ट्रेन बदलने हेतु बापू कुछ समय के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पर रुके. प्रभात फेरी वालों से इसका समाचार शहर भर में फैल गया तथा भोपाल के लोग वहां बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए. बापू ने वहां उन्हें न केवल संबोधित करा, बल्कि दान की भी अपील करी. इसी क्रम में एक छोटी बालिका की अंगूठी दान देने का भी दिलचस्प प्रसंग हुआ जो महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े 150 रोचक प्रसंग के संकलन में भी शामिल किया गया है. इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व तथा इस ऐतिहासिक घटना से भी आम जन अपरिचित है।

नवाब भोपाल द्वारा निजी हित साधन प्रयोजन से राष्ट्रीय नेता डॉ. अंसारी के माध्यम से निरन्तर अनुग्रह उपरान्त महात्मा गाँधी न केवल आतिथ्य स्वीकार करते हुए बा, मीरा बेन एवं अन्य महत्वपूर्ण हस्तियों सहित भोपाल पधारे, बल्कि पूरे 3 दिन रुके भी. नवाब साहब की तारीफ़ भी की जिसकी व्यापक आलोचना भी हुई, यहीं से वे विश्व विख्यात स्मारक साँची भी गए। परन्तु क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि रियासत में फोटोग्राफी की तमाम सुविधाएँ होने के बावजूद - जहाँ तत्कालीन लगभग प्रत्येक अवसर के चित्र काफी संख्या में उपलब्ध हैं, रियासती तथा शासकीय संग्रहों में उस समय के इस महानतम व्यक्ति का भोपाल प्रवास के दौरान अनेकों कार्यक्रमों में से किसी भी अवसर का एक भी चित्र उपलब्ध नहीं है ?

बापू के ऐतिहासिक भोपाल प्रवास विषयक मूल अभिलेखों, चित्रों, पत्रों पर केंद्रित विचार गोष्ठी, स्लाइड शो एवं प्रदर्शिनी के कार्यक्रम केवल भोपाल स्वातंत्र्य आन्दोलन समिति द्वारा आयोजित किये जाते रहे हैं।

सुविचार

प्रयास किए बिना, आपकी क्षमता का कोई मतलब नहीं है...
-अज्ञात

निशाना

रावण का पुतला हंस रहा है..!

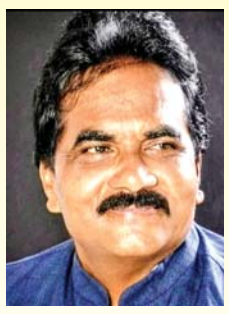

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

हर साल हम उत्सव के रूप में
दशहरा मनाते हैं,
और अपने अंदर बैठे रावण को नहीं
उसका पुतला जलाते हैं,
हमारे गांव गली शहरों में दिनों दिन
रावण बढ़ते ही जा रहे हैं
आसुरी शक्तियां हारी नहीं हैं
यह आंकड़े बता रहे हैं,
साथ ही दिनों दिन ऊंचा हो रहा
रावण का कद,
जिसकी नहीं कोई लक्ष्मण रेखा
ना ही कोई हद,
रावण के दस शीश थे
इनके अनन्त हैं
राम के मुखौटों में
घूमते श्रीमंत हैं,
गा रहे बुराई पर अच्छाई के गीत
नीति के नाम अनीति रही जीत,
बाहरी रावण फिर जला रहे आज
हमारे अंदर बैठा रावण कर रहा राज
हर जगह रावण हमारे
दिलों में बस रहा है
और उसका पुतला
आदमी पर हंस रहा है।

AI अपडेट

Gemini का नया टूल करेगा ड्रॉइंग, प्रॉम्प्ट देकर करें घर को डिजाइन

अक्सर ऐसा होता है कि लोग अपने ड्रीम हाउस के बारे में सोचते हैं। जहां दीवारों पर चटकीले रंग, आगे छोटा-सा लॉन और बीच में एक स्पेशल जगह जहां शाम की चाय का मजा दोगुना हो जाए। लेकिन यह सब सोचते हुए कागज पर स्केच करना या दोस्तों को समझानाआम तौर पर मुश्किल लगता है ? अब गूगल ने इस मुश्किल टास्क को आसान कर दिया है। गूगल ऐसा टूल लाया है, जो आपकी ये कल्पनाएं तुरंत तस्वीरों में बदल देता है। मिक्सबोर्ड नाम का यह नया AI टूल आपके आइडियाज को बोर्ड पर सजाता है। यह जेमिनी 2.5 फ्लैश मॉडल से चलता है।

गूगल लैब्स का नया प्रयोगः मिक्सबोर्ड गूगल लैब्स का एक नया प्रयोग है, जो AI की मदद से आपके आइडियाज को विजुअल बोर्ड में बदल देता है। यह खासतौर पर घर की सजावट, पार्टी प्लानिंग या खुद के हाथों से कुछ बनाने के लिए बना है। आप बस कुछ शब्द लिखिए, जैसे- मेरा कमरा हरा-भरा कैसे लगे, फिर यह तुरंत तस्वीरें बना देगा। अमेरिका में अभी पब्लिक बीटा के रूप में उपलब्ध है। इससे पहले गूगल ने कई AI टूल्स लॉन्च किए, लेकिन यह क्रिएटिविटी को इतना आसान बनाता है कि लगता है जैसे आपका दिमाग सीधे स्क्रीन पर उकेर रहा हो।

इस्तेमाल करना आसानः इस टूल का इस्तेमाल बिल्कुल सरल है। आप एक खाली बोर्ड पर कुछ लिखकर शुरू कर सकते हैं या पहले से बने बोर्ड टेम्प्लेट चुन सकते हैं। मान लीजिए, आप दिवाली की पार्टी प्लान कर रहे हैं। आप लिखेंगे, दिवाली के लिए लिविंग रूम में फूलों की सजावट। AI तुरंत कई तस्वीरें जेनरेट करेगा और आपको आइडिया देगा। अगर आपके पास अपनी कोई फोटो है, तो उसे अपलोड करिए या फिर ढ्ढ से कहिए- मेरी इस दीवार पर लाइट्स लगाओ। फिर यह आपकी मनचाही तस्वीर बना देगा। यह जेमिनी 2.5 फ्लैश मॉडल से चलता है।

एडिटिंग फीचर्स हैं खासः मिक्सबोर्ड की असली ताकत इसके एडिटिंग फीचर्स में है। इसमें नैनो बनाना नाम का इमेज एडिटिंग मॉडल है। यहां एक क्लिक से रीजनरेट भी हो सकता है। बोर्ड पर तस्वीरें होने पर AI खुद ही उनसे जुड़े टेक्स्ट जेनरेट करता है, जैसे कोई कैप्शन या आईडियाज। इसे यूं समझें कि आपने इस पर लिखा- शांत जगह पर एक मॉडर्न घर, इसके बाद AI खुद-ब-खुद ऐसे घर के ऑप्शन दिखा देगा।

वेब सर्च

विकीपीडिया के जवाब में एलन मस्क लाएंगे ग्रोकीपीडिया

एक्स एआई के फाउंडर एलन मस्क अब विकिपीडिया के बदले एक नई वेबसाइट शुरू करने जा रहे हैं, जिसका नाम होगा ग्रोकीपीडिया। एलन मस्क इसके जरिए यूजर्स को विकिपीडिया का रिपलेसमेंट दे रहे हैं। मस्क का दावा है कि यह विकिपीडिया से कहीं बेहतर होगी। बता दें मस्क को लंबे समय से विकिपीडिया से शिकायत रही है। वे विकिपीडिया पर कई आरोप लगा चुके हैं। मस्क का मानना है कि विकिपीडिया एक तरफ चीजें दिखाता है, उसे लेफ्ट के एक्टिविस्ट कंट्रोल करते हैं।

ग्रोकीपीडिया बनाने के लिए मस्क कंपनी एक्स एआई के चैटबॉट ग्रोक का इस्तेमाल करेंगे। ग्रोक को पहले ही वेब डेटा और सार्वजनिक ट्वीट्स पर ट्रेन किया गया है। मस्क का कहना है कि ग्रोक इतना समझदार है कि वह विकिपीडिया के पेजों को पढ़कर यह बता सकता है कि उनमें क्या सही है, क्या आधा-अधूरा सच है और क्या गलत है। वह गलतियों को सुधार सकता है और जरूरी जानकारी जोड़ सकता है।

एलन मस्क विकिपीडिया को वोके यानी हद से ज्यादा उदारवादी मानते हैं और इसकी फंडिंग बंद करने की मांग कर चुके हैं। ट्रंप के दूसरे शपथ समारोह में मस्क के एक इशारे को कई लोगों ने नाजी या फासीवादी सलामी बताया। विकिपीडिया ने इसे कवर किया, जिस पर मस्क भड़क गए और लोगों से इसकी फंडिंग बंद करने को कहा। तब मस्क ने कहा था कि डिफंड विकिपीडिया अनटिल बैलेंस इज रिस्टोर्ड। विकिपीडिया के संस्थापक जिमी वेल्स ने जवाब दिया कि दी गई जानकारी सही है और मस्क असंतुष्ट हैं क्योंकि विकिपीडिया बिकाऊ नहीं है।

वैसे एक्स एआई के फाउंडर मस्क और विकिपीडिया के संस्थापक जिमी वेल्स का झगड़ा पुराना है। साल 2023 में मस्क ने विकिपीडिया और उसकी पैरेंट कंपनी विकिमीडिया फाउंडेशन की आलोचना की थी। मस्क ने अक्टूबर 2024 के एक पोस्ट में आरोप लगाया था कि विकिपीडिया को लेफ्ट के लोग कंट्रोल करते हैं। उन्होंने एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लगभग 40 विकिपीडिया संपादकों का एक ग्रुप इजरायल को अवैध और गलत दिखाने में लगा था। जबकि कट्टरपंथी इस्लामी समूह हमास की पॉजिटिव इमेज पेश कर रहा है। इसको रीट्वीट करते हुए मस्क ने लिखा था कि विकिपीडिया की फंडिंग बंद कर देनी चाहिए।

रिलेशनशिप

महंगे गिफ्ट नहीं, बातें ही रिश्ते को बनाती हैं गहरा और खुशहाल

अक्सर कपल्स को लगता है कि अपना रिश्ता मजबूत और खुशहाल बनाने के लिए महंगे-महंगे गिफ्ट्स, रोमांटिक डिनर या फिर घूमने जाने की जरूरत होती है। लेकिन सच ये है कि प्यार इनसे ज्यादा टिकता नहीं। असली जादू तो छोटी-छोटी बातों में छुपा होता है, जो कपल्स रोज एक-दूसरे के लिए करते हैं। जैसे अचानक अपने पार्टनर को गले लगा लेना, थैंक यू कहना या फिर साथ में मस्ती और हंसी-ठिठोली करना। यही छोटी-छोटी आदतें रिश्ते को जिंदा और मजबूत बनाए रखती हैं। आप चाहे कितने भी बिजी क्यों न हों, कपल एक-दूसरे से रोजाना बात करने का टाइम जरूर निकालते हैं। आपको अपने पार्टनर से रोज उसका हालचाल जरूर पूछना चाहिए। जैसे, आज दिन कैसा रहा? जैसी छोटी बातें भी दोनों को करीब लाती हैं और एहसास कराती हैं कि उनकी बात सुनी जा रही है। बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है ध्यान से सुनना भी है। जब पार्टनर सच में एक-दूसरे की बातें सुनते हैं और बीच-बीच में सोच-समझकर सवाल पूछते हैं, तो रिश्ता और गहरा होता है।

एक छोटा सा थैंक यू आपके पार्टनर के लिए बहुत मायने रखता है। अगर आपका पार्टनर आपकी रोजाना के छोटे-छोटे कामों में भी मदद करता है तो भी आपको उसे शुक्रिया कहना चाहिए। इससे प्यार और सम्मान दोनों बढ़ता है। रिश्ता सिर्फ रोमांस से नहीं चलता। हाथ पकड़ना, गले लगना या हल्का सा स्पर्श भी रिश्ते को मजबूत बनाता है और प्यार जताने का आसान तरीका है।अगर कोई कपल एक-दूसरे से सच में प्यार करता है और सम्मान करता है तो घर के कामों की जिम्मेदारी आपस में बांटते हैं। इससे बोझ कम होता है और पार्टनरशिप का एहसास मजबूत होता है। सरप्राइज देने के लिए बड़ी चीजें जरूरी नहीं होती हैं। कभी एक प्यारा सा हैंडरिटेन नोट या चॉकलेट छिपाकर छोड़ देना भी आपके पार्टनर का दिन बना सकता है। फोन या स्क्रीन से दूर होकर साथ में वक्त बिताना जैसे टहलना या साथ में किताब पढ़ना रिश्ते को और मजबूत करता है। एक-दूसरे के साथ चुटकुले शेयर करना या हल्की-फुल्की नोकझोंक करना रिश्ते में मस्ती लाता है और गहरा जुड़ाव बनाता है।

जिलेभर में पथ संचलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष आज से प्रारंभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का शताब्दी वर्ष 2 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। संघ की स्थापना वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन हुई थी और इस वर्ष संघ अपने 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इस अवसर पर संघ ने पूरे वर्ष चलने वाले 8 सूत्रीय कार्यकमों की रूपरेखा तैयार की है।

विभाग प्रचार प्रमुख संतोष नौरिया ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में शताब्दी वर्ष के तहत कुल 75 मंडल एवं बस्तियों में पथ संचलन आयोजित होंगे। ये संचलन 1 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक चरणबद्ध तरीके से निकाले जाएंगे।आज 3बस्ती में पथ संचलन किया है अब 5 अक्टूबर को पांच बस्तियां, 11 अक्टूबर को दो बस्तियां और 12 अक्टूबर को शेष सभी बस्तियों में पथ संचलन होगा। इनमें नर्मदापुरम नगर की 3 बस्तियां, इटारसी नगर की 5 बस्तियां और ग्रामीण क्षेत्र की 17 मंडलें शामिल हैं। नौरिया ने बताया कि संघ कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर रहे हैं ताकि हिंदू समाज के प्रत्येक घर से स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में पथ संचलन में शामिल हों। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने कहा था कि संघ कोई नया काम शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि सदियों से चले आ रहे कार्य को आगे बढ़ा रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान विशेष गतिविधियां पूरे साल आयोजित की जाएंगी। इनमें 15 से 30 नवंबर तक गृह संपर्क अभियान, 20 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक हिंदू सम्मेलन, 1 से 15 फरवरी 2026 तक प्रमुख जन गोष्ठियां, 15 से 30 अप्रैल 2026 तक सामाजिक सद्भाव बैठकें, 1 से 15 मई 2026 तक शालेय विद्यार्थी कार्यक्रम और 1 से 15 जून तक युवा सम्मेलन शामिल हैं। इसके अलावा, 25 सितंबर से 5 अक्टूबर तक अधिकतम स्थानों पर शाखाएं लगाने का भी लक्ष्य रखा गया है। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज को जोड़ना, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

विजयदशमी आज: असत्य पर सत्य की जीत का पर्व

आज भगवान श्रीराम लंका में प्रवेश कर करेंगे रावण का दहन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दशहरा मैदान पर विजयादशमी उत्सव में आने वाले नागरिकों को कुछ नई व्यवस्थाएं भी देखने को मिलेगी। हिन्दू उत्सव समिति द्वारा और नपा द्वारा पहली बार भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरूपों को समुद्र पार कर लंका प्रवेश के दृश्य का अवलोकन करवाया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। विधायक उमाकांत शर्मा द्वारा व्यवस्था को लेकर प्रशासन को विशेष निर्देश भी दिए गए हैं तथा वे लगातार मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

शहर का दशहरा मैदान नया बस स्टैंड स्थित प्राचीन तालाब से सटा हुआ है। इस बार बारिश अच्छी होने की वजह से तालाब लबालब है। इसी को देखते हुए हिउस और नपा प्रबंधन द्वारा इस दृश्य की कल्पना की गई है। नपा द्वारा बीते एक सप्ताह में फैली जलकुंभी की सफाई करवाई जा रही है। जिसके चलते तालाब के मध्य के हिस्से में काफी पानी दिखाई देने लगा है। मंगलवार से इस हिस्से में नाव से सफाई भी शुरू हो गई है। समुद्र पार कर लंका प्रवेश के दृश्य के मंचन के लिए कटरा मोहल्ले से सजकर आने वाले भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरूप इस बार सीधे दशहरा मैदान पर न जाते हुए बस स्टैंड पर तालाब के घाट पर पहुंचेंगे। यहां से वे नाव से तालाब के उस पार स्थित दशहरा मैदान में पहुंचेंगे तथा कुंभकरण, मेघनाद और रावण के पुतलों का दहन करेंगे। इस अवसर पर नागरिकों को रंगारंग आतिशबाजी का नजारा भी देखने को मिलेगा। नपा द्वारा दशहरा मैदान और तालाब के चारों तरफ के हिस्से पर आकर्षक विद्युत सज्जा करवाई गई है। नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ और हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष ओम सोनी के साथ ही सभी पदाधिकारी नियमित भ्रमण कर जरूरी दिशा-निर्देश भी दे रहे है। दशहरा मैदान पर ही रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतले बनवाए जा रहे हैं। रावण का पुतला 30 फीट ऊंचा होगा। चार दिनों से रम्मू प्रजापति और उनकी टीम द्वारा इन पुतलों का निर्माण किया जा रहा है। इस बीच हर दिन हो रही बारिश उन्हें परेशान कर रही है।

विसर्जन घाट मार्ग की चौड़ाई भी बढ़ाई

मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए लटेरी रोड पर केथन डैम किनारे स्थित कुंड को भी तैयार कर दिया गया है। शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण इलाकों में स्थापित देवी प्रतिमाओं का विसर्जन भी इसी कुंड में होता है। कुंड पर जाम के हालात न बने इसी को देखते हुए इस बार नपा द्वारा लटेरी रोड से कुंड तक पहुंच मार्ग की चौड़ाई को बढ़ाया गया है। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि इस बार टूलेन सडक जैसी व्यवस्था यहां हो गई है। जिससे छोटी-बडी सभी प्रकार की प्रतिमाओं को आसानी से कुंड ले जाया जा सकेगा। कुंड पर समुचित बिजली व्यवस्था करवाने के साथ ही तैराक भी पूरे समय मौजूद रहेंगे।

नपाध्यक्ष ने किया बुजुर्गों को सम्मानित

गंजबासौदा। नगर पालिका परिषद में एक समारोह आयोजित कर के नगर के वृद्धजनों का सम्मान किया गया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव ने महिलाओं बुजुर्गों को तिलक किया और फूल माला पहना कर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमारे वृद्धजनों का विशेष ध्यान रखती है उनके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है जिनका लाभ वृद्धजनों को मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों ने भी नपा अध्यक्ष यादव को माला पहनाई और अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर पेंशन शाखा प्रभारी मोनिका भार्गव ने भी बुजुर्गों को शासन की योजनाओं को बताते हुए उनका लाभ कैसे लिया जाता है इस बारे में विस्तार से बताया।

हर्बल पार्क घाट पर बनाया विसर्जन कुंड

नर्मदापुरम। सुरक्षित मूर्ति विसर्जन एवं मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए नगरपालिका द्वारा हर्बल पार्क घाट पर कृत्रिम कुंड बनाकर तैयार किया गया है। मूर्ति विसर्जन के दौरान कृत्रिम कुंड पर नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी के साथ ही क्रेन, पोकलेन और जेसीबी उपलब्ध रहेगी। जिससे कि श्रद्धालुगण अपनी मूर्ति का विसर्जन आसानी से कर सकें। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर बुधवार शाम को उपयंत्री आयुषी रिछारिया और कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी द्वारा कृत्रिम कुंड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि मूर्ति विसर्जन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए किसी भी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो, उनका सहयोग करें। जिनकी कृत्रिम कुंड पर ड्यूटी लगाई गई वे किसी प्रकार से लापरवाही न बरतें। विसर्जन के दौरान ट्रेक्टर, क्रेन, जेसीबी, पोकलेन उपलब्ध रहे।

निरीक्षण में अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

एसडीएम संतोष विटोलिया ने कृषि उपज मंडी का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिसमें मंडी में पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। वहीं मंडी परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पेवर ब्लॉक लगने के अधूरे कार्य को लेकर ठेकदार को भी नोटिस जारी करने ओर अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम ने गमाखर गांव पहुंचकर चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण किया।

दांगी समाज ने जैसीनगर के नाम परिवर्तन का किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सागर जिले के सुरखी विधानसभा क्षेत्र जनपद पंचायत जैसी नगर का नाम यथावथ ही रखने की मांग दांगी समाज ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से की है। बुधवार को बडी संख्या में दांगी समाज के सदस्य तहसील कार्यालय में पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि सागर जिले की सुरखी विधानसभा में स्थित जनपद पंचायत जैसीनगर को गढ़पहरा के राजा जयसिंह द्वारा संवत 1670 में बसाया गया था। अब कुछ लोगों ने राजनीतिक और बदले की भावना के चलते जैसीनगर का नाम बदलकर जय शिवनगर करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा है। इससे दांगी क्षत्रिय समाज को ठेस पहुंची है। ज्ञापन में बताया गया कि दांगी कछवाह राजपूत समाज के गौरव राजा जयसिंह के इतिहास के साथ छेड़छाड़ को दांगी क्षत्रिय समाज बर्दाश्त नहं करेगा। समाज ने जैसीनगर का नाम परिवर्तन का विरोध करते हुए उसे यथावथ ही बनाए रखने की मां ग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में महेन्द सिंह दांगी, झारसिंह दांगी, प्रवेन्द्र दांगी, राजीव दांगी, बदनसिंह दांगी, गब्बरसिंह दांगी, रामसुंदर दांगी व अन्य शामिल रहे।

मुक्तिधाम, शौचालय और खेल मैदान पर रहवासी कब्जा कर उगा रहे फसल

प्रशासन का नहीं है ध्यान नागरिक हो रहे हैं परेशान

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

ग्राम उराड़ी मे ग्रामीणों को मुक्तिधाम तक पहुंचने काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है लोगों ने अतिक्रमण कर मक्का की फसल लगा रखी है जिससे अंतिम संस्कार करने में ग्राम वासियों काफी दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है! ग्राम उराडी

मुक्तिधाम शौचालय एवं खेल मैदान की शासकीय भूमि पर मक्का की फसल लगा दी गई है! ग्रामीणों ने बताया कि विगत दिनों ग्राम के एक व्यक्ति की मृत्यु होने के कारण मुक्तिधाम तक पहुंचने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़! शासकीय शौचालय के सामने भी खेती होने के कारण ग्राम वासियों को शौचालय का लाभ नहीं मिल पा रहा है एवं खेल मैदान में भी अवैध कब्जे होने के कारण बच्चे खेल मैदान का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं शासन की जमीन पर किया कब्जा कर फसल बोई गई कुछ समय पहले गांव के व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी पानी अधिक गिरने के कारण मुक्तिधाम अंतिम संस्कार किया गया पर मक्के की फसल होने के कारण ग्राम वासियों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ा था गांव के नागरिकों ने मुक्तिधाम पर फसल बोने वाले पर कार्रवाई की मांग की है।

कटोरा लेकर तहसील पहुंचे अतिथि शिक्षक, सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अपनी मांगों कोलेकर क्षेत्र के अतिथि शिक्षक कटोरा लेकर तहसील कार्यालय में पहुंचे। कटोरा हाथ में लिए अतिथि शिक्षक सरकार और प्रशासन केखिलाफ जोरदार नारेबाजी कर रहे थे। उनका कहना था कि 3 महीनेसे वेतन नहीं मिलने के कारण भीख मांगने की नौबत आ गई है। इसी दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय की जमीन पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। नारेबाजी सुनकर तहसीलदार संजय चौरसिया बाहर आए। इसके बाद अतिथि शिक्षकों ने उन्हें अपनी मांगों को लेकर लोकशिक्षण संचालनाय के आयुक्त को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में अतिथियोंने बताया कि अच्छा रिजल्ट और लगातार अध्यापन करवाने के बाद भी हमें अपना हक प्रदान नहीं किया जा रहा। ज्ञापन में उन्होंने समय पर वेतन भुगतान करने, ईअटेंडेंस की कि विसंगतियों को सुधारने, तत्कालिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 2 सितंबर 2023 को शिक्षक महापंचायत में की गई घोषणओं को पूरा करने की मांग की है। मांगे पूरी नहीं होने पर अतिथि शिक्षकों द्वारा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में उग्रप्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। ज्ञापन सौंपने वालों में संघटन के जिलाध्यक्ष राकेश कुशवाह, ब्लाक अध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान, संजीव शर्मा, सुनील शर्मा, छगन राजपूत, कल्लू कुशवाह, सुनील प्रजापति, रामदयाल अहिरवार तथा बबलू खान केसाथ ही अनेक अतिथि शिक्षक मौजूद थे।

बांध के विरोध में एकजुट हुए किसान

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

डिंडोरी विकासखंड के धरमपुरा गांव में राघोपुर बहुद्देशीय परियोजना के तहत बनने वाले बांध के विरोध में नर्मदा किनारे के 45 गांवों के प्रभावित किसान एकत्रित हुए। इस दौरान कांग्रेस विधायक ओमकार मरकाम भी किसानों के समर्थन में पहुंचे और आंदोलन में साथ देने का वादा किया।

किसानों ने आने वाले समय में एक बड़े आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की। मारवारी गांव के मान सिंह धुर्वे ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अब समाज के लोग शिक्षित हो चुके हैं और संविधान में मिले अधिकारों के तहत ही विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि अब नेताओं के पास चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है।विधायक ने कहा कि मैं संवैधानिक अधिकारों के साथ किसानों की मांग का समर्थन करता हूं। पुनर्वास की समीक्षा होनी चाहिए। जबलपुर का बरगी बांध, उत्तर प्रदेश, झारखंड के विस्थापितों के क्या हालत है।हम विकास के पक्षधर है। सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए। उनका पक्ष जानना चाहिए। उनको बांध के फायदे बताने चाहिए।

मेट्रो एंकर

तीन महीने बाद पर्यटकों के लिए खुला गेट, शुरू हुई सफारी

कान्हा टाइगर रिजर्व गुलजार, पहले ही दिन बड़ी संख्या में टूरिस्ट पहुंचे मंडला

मंडला, दोपहर मेट्रो

कान्हा नेशनल पार्क में जंगल सफारी हर साल 1 जुलाई से 30 सितंबर तक बंद रहती है, क्योंकि इस दौरान मानसून की वजह से पार्क के रास्ते और लकड़ी के पुल क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। 1 अक्टूबर से पार्क फिर से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है. पार्क खुलने के पहले ही दिन पर्यटकों को बाघ के दीदार हुए. कान्हा टाइगर रिजर्व में वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ध्वजारोहण और मिनी मैराथन शामिल है। कार्यक्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने किया।

पर्यटन के पहले दिन सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और मंत्री संपतिया उइके ने भी कान्हा सफारी का लुत्फ उठाया। उन्होंने पार्क प्रबंधन की व्यवस्थाओं की सराहना की और पर्यटकों से वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की अपील की। फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा, पहले ही दिन से टूरिस्टों का आना शुरू हो गया है। कान्हा रिजर्व की ख्याति देश ही नहीं विदेशों तक है. आने वाले समय में यहां टूरिस्टों के लिए सुविधाएं और बढ़ाने का विचार है, जिससे टूरिज्म को और बढ़ावा मिलेगा।

यहां से जाने का मन नहीं करता

कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने कहा विश्व स्तर का ये कान्हा नेशनल पार्क है. पिछले कुछ सालों से हर वर्ष बढ़ कर टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। कान्हा की खुली वादियों में पर्यटक प्रकृति का लुत्फ उठाते हैं. यहां आने के बाद जाने का मन नहीं करता. यहां टाइगर के अलावा बाकि वन्य प्राणी भी भारी संख्या में हैं. यहां के जनजातियों का रहन-सहन, पहनावा, खानपान देख कर पर्यटकों का मन प्रफुल्लित हो जाता है। यहां के जो ऑर्गेनिक खाना है कोदो, कुटकी, मक्के की रोटी, ज्वार की रोटी है. इन सभी चीजों के बारे में बताया जाता है।

पिछले साल ढाई लाख आए थे टूरिस्ट

कान्हा टाइगर रिजर्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया गया है. कान्हा डायरेक्टर रविन्द्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि जैसा कि सभी को पता है कि 3 महीने पार्क बंद रहता है। 1 अक्टूबर से नया टूरिज्म सीजन शुरू हो गया है. पिछले साल मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा टूरिस्ट कान्हा टाइगर पार्क में ही आए थे. उनकी संख्या ढाई लाख से ज्यादा थी. सीजन के शुरुआत के अवसर पर मिनी मैराथन का आयोजन किया गया था।

गुजरखेड़ी में किसान भालुओं से परेशान, फसलें बर्बाद

पांदुर्णा, दोपहर मेट्रो

तहसील के गुजरखेड़ी इलाके में किसान पिछले दो सप्ताह से दहशत में हैं। इस क्षेत्र में तीन भालुओं की दस्तक के कारण किसान डर के साए में खेती का काम कर रहे हैं। किसान भीमा डहाड़े, निलेश महाजन और नामदेव राजगुरु ने बताया कि एक भालू अपने दो बच्चों के साथ घूम रहा है। इन भालुओं ने खेतों में लगी मूंगफली की फसल को उखाड़कर बर्बाद कर दिया है।किसानों की शिकायत के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान भालू के पगचिन्ह मिलने की पुष्टि हुई।

नगर निगम महापौर और निगम आयुक्त के बीच कार्यप्रणाली को लेकर चल रहा विवाद

मेरे खिलाफ किसी के कहने पर या जानबूझकर षड़यंत्र रच रहे निगम आयुक्त: संगीता तिवारी

निगमायुक्त लगातार कर रहे अपमानित, रावण दहन कार्यक्रम में भी यही आशंका

सागर, दोपहर मेट्रो

नगर निगम पर काबिज भाजपा महापौर संगीता तिवारी और निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के बीच लंबे समय से कार्यप्रणाली को लेकर विवाद चल रहा है। महापौर पहली बार खुलकर बोलीं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री पर उन्हें अपमानित करने के आरोप लगाये हैं। दरअसल नगर निगम द्वारा कराये जा रहे रावण दहन कार्यक्रम के कार्ड में उनका नाम 5 वें नंबर पर आने के बाद यह प्रतिक्रिया उन्होंने दी। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ किसी के कहने पर या जानबूझकर निगमायुक्त षड़यंत्र रच रहे हैं।

महापौर ने कहा कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पद्माकर सभागार में हुए कार्यक्रम में जानबूझकर मुझसे उनका स्वागत नहीं कराया गया। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के हितग्राहियों के चेक वितरण कार्यक्रम में मुझे बुलाकर पूरे 40 मिनट तक इंतजार कराया और स्वयं बहुत देर से आये। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 30 सितंबर को म्युनिसिपल स्कूल में निगम द्वारा लगाये गये वोकल फॉर लोकल मेला में जब मैं पहुंची तो वहां न वे स्वयं आये न निगम के किसी अधिकारी को आने दिया। महापौर और निगमायुक्त के बीच छिड़े विवाद पर कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम प्रशासन भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा हैं। कांग्रेस प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने जारी बयान में कहा कि पीटीसी ग्राउंड पर होने वाले रावण रावण दहन कार्यक्रम के कार्ड में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब भाजपा जिलाध्यक्ष का नाम भी है। जबकि यह कार्यक्रम भाजपा का न होकर नगर निगम का परंपरागत आयोजन है। इसमें भी प्रोटोकॉल के विरुद्ध जाकर महापौर के नाम के पहले भाजपा जिलाध्यक्ष का नाम दिया गया है। यह सब भाजपा की गुटबाजी के उस गुट का हिस्सा भी हो सकता है। जो महापौर को लगातार अपमानित करने पर तुला हुआ है। नगर की प्रथम नागरिक जो महिला है उन्हें तों भाजपा के मंचों पर लगातार हांसिये पर ढकेला ही जा रहा है. जिस संस्था में वे निर्वाचित जन प्रतिनिधि है वहां भी उन्हें अपमानित करने का काम नगर निगम प्रशासन के माध्यम से कराया जा रहा है. कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि जब आमंत्रण में भाजपा जिलाध्यक्ष का नाम जाता है तो प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शहर महेश जाटव का नाम भी शामिल किया जाना चाहिए। प्रवक्ता एवं जिला मीडिया प्रभारी आशीष ज्योतिषी ने कहा है कि नगर निगम प्रशासन भाजपा का एजेंट बनकर काम कर रहा है।

कार्ड में मेरा नाम कहां है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता

रावण पुतला दहन कार्यक्रम के कार्ड में मेरा नाम कहां है, किस नंबर पर है, उससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सागर नगर की जनता की सेवा के लिए हर संघर्ष करने तैयार हूँ। मुझे मेरे पार्षदों एवं कर्मचारियों ने ही अवगत कराया है कि दशहरा के कार्यक्रम में मुझे अपमानित करने षड़यंत्र रचा जा रहा है।

सीएम का कार्यक्रम भाजपा का: निगमायुक्त

इस मामले में नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री का कहना है कि महापौर हमारे लिए सम्माननीय हैं। जहां भी मौका होता उन्हें सम्मान दिया जाता है। पद्माकर सभागार का कार्यक्रम भाजपा का था। चेक वितरण में मैंने खुद महापौर का स्वागत किया था। कार्ड में प्रिंटिंग त्रुटि हुई थी उसे सुधार लिया था।

शहर में विकास के कार्य होंगे प्रभावित

महापौर और निगमायुक्त का विवाद लंबे समय से चल रहा है। दोनों के बीच यह मनमुटाव नगर में चल रहे व प्रस्तावित विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

राजघाट बांध की मरम्मत का कार्य

5 करोड़ रुपए की लागत से होना है, उसकी फाइल महापौर के पास लंबित है। 35 करोड़ की लागत से अमृत 2.0 के काम होना हैं, वह फाइल भी निगमायुक्त-महापौर के बीच लंबित है इसके अलावा अन्य कार्य शामिल हैं।

हर्बल पार्क घाट पर बनाया विसर्जन कुंड

नर्मदापुरम। सुरक्षित मूर्ति विसर्जन एवं मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए नगरपालिका द्वारा हर्बल पार्क घाट पर कृत्रिम कुंड बनाकर तैयार किया गया है। मूर्ति विसर्जन के दौरान कृत्रिम कुंड पर नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी के साथ ही क्रेन, पोकलेन और जेसीबी उपलब्ध रहेगी। जिससे कि श्रद्धालुगण अपनी मूर्ति का विसर्जन आसानी से कर सकें। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर बुधवार शाम को उपयंत्री आयुषी रिछारिया और कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी द्वारा कृत्रिम कुंड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि मूर्ति विसर्जन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए किसी भी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो, उनका सहयोग करें। जिनकी कृत्रिम कुंड पर ड्यूटी लगाई गई वे किसी प्रकार से लापरवाही न बरतें। विसर्जन के दौरान ट्रेक्टर, क्रेन, जेसीबी, पोकलेन उपलब्ध रहे।

जांच में 50 हजार का जुर्माना वसूला

सागर। जिले में चल रहीं यात्री बसों व अन्य वाहनों की चेकिंग के दौरान विभिन्न कमियाँ पाए जाने पर आरटीओ ने चलानी कार्यवाई कर जुर्माना वसूल किया है। दमोह एवं बीना मार्ग पर 42 यात्री एवं अन्य वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान 12 यात्री वाहनों में फस्टएड बॉक्स, रिफ्लेक्ट टेप, व्हीएलटीडी, अग्निशमन यंत्र, एचएसआरपी नम्बर प्लेट, चालक निर्धारित गणवेश में नहीं आदि कमियां पाई गई। इसी क्रम में 03 अन्य वाहनों के मौके पर वाहन का परमिट एवं फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं पाये गये । उक्त सभी 15 वाहनों से मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत् चालानी कार्यवाही करते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने वाहन स्वामियों को हिदायत दी है कि वे अपने वाहनों के संचालन के दौरान वाहन से संबंधित समस्त दस्तावेज साथ में रखें।

युवक पर केस दर्ज, समाज ने की निष्पक्ष जांच की मांग

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में राशन कार्ड और बीपीएल कार्ड मामले में प्रतिदिन नये नये खुलासे हो रहे हैं अब पुलिस ने जब उस व्यक्ति को पकड़ा जिसकी नाम दर्ज रिपोर्ट हुई है तो पाल समाज के लोग बड़ी संख्या में पहले थाने और बाद में तहसीलदार कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर अधिकारियों से मांग करते हुये कहा है पहले आप पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करे उसके बाद धन्नू को गिरफ्तार करें। धन्नू पाल को फर्जी राशन कार्ड मामले में आरोपी बनाया गया है क्योंकि उसके पास जो राशन कार्ड हैं वह गलत है यह बात अधिकारियों दुबारा कही गई है। और पुलिस ने पूछताछ के लिए धन्नू पाल को मंगलवार को थाने में बुलाया जिसके बाद बड़ी संख्या में पाल समाज के पदाधिकारी व अन्य लोग थाने पहुंचे।

देवी प्रतिमाओं का गौरैया नदी में होगा विसर्जन

बंद कैमरे हुए चालू, तीसरी आंख से होगी निगरानी

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में आज देवी प्रतिमाओं को उनके स्थान से निकाला जायेगा उसके बाद नगर में सभी देवियों की शोभायात्रा में घूमेगी उसके बाद कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन रात्रि में हो जायेगा बाकी बची प्रतिमाओं का विसर्जन शुकवार सुबह सुबह होगा

तेंदूखेड़ा नगर में देवी प्रतिमाओं की स्थापना हुई है उनका विसर्जन गुरुवार को होगा पुलिस पुलिस प्रशासन ने दशहरा चल समारोह में व्यवस्थाओं के लिए व्यवस्था बना ली है देवी प्रतिमाओं का विसर्जन नगर की गौरैया नदी में होगा बैठक के दौरान इस पर सहमति बनाई गई थी नगर परिषद ने विसर्जन स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर दिया था। नगर में लगे कैमरे बंद थे थाना प्रभारी के दुबारा इसकी सूचना नगर परिषद सी एम ओ को दी गई। जानकारी लगते ही सीएमओ ने तत्काल सुरक्षा दृष्टि को देखते हुये नगर में लगे सभी कैमरों को चालू कराया है । कैमरों का कंट्रोल रूम थाने में बना है इसलिए नगर की पूरी व्यवस्थाओं के साथ हरगति विधि पर पुलिस कैमरों के माध्यम से नजर रख सकती है। सीएमओ पीयूष अग्रवाल ने बताया नगर में लगे मार्गो के कैमरे चालू करवा दिये है विसर्जन स्थल पर बिजली साफ सफाई की व्यवस्थाएं पूरी हो चुकी हैं। तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी नीतेश जैन ने बताया गुरुवार को तेंदूखेड़ा में दशहरा मनाया जायेगा। रात्रि से शुकवार की सुबह तक गौरैया नदी में देवी प्रतिमाओं का विसर्जन होगा नगर में देवी प्रतिमाएं स्थापित है लगे ग्रामों में बिराजी देवी प्रतिमाओं का विसर्जन होगा सभी समितियों के सदस्यों से विशेष अपील है पूर्ण शान्ति के साथ देवी प्रतिमाओं का विसर्जन करें।

वृद्ध नागरिकों को किया सम्मान

तेंदूखेड़ा। अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत खकरिया खुर्द में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु जागरूकता और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह दिवस समाज में वृद्धजनों के प्रति सम्मान और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम की वरिष्ठ नागरिकों – बीनाबाई/गुलाब एवं श्रीमती भागवती/ खेतसिंह का सम्मान सरपंच आरती गौड, ग्राम पंचायत सचिव रोशनी लोधी, रोजगार सहायक बृजेश लोधी , एवं सरपंच प्रतिनिधि उमेद सिंह आदिवासी के द्वारा साल श्री फल देकर किया गया ग्राम पंचायत खकरिया खुर्द इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से वृद्धजनों के प्रति आदर और सहयोग की भावना को बढ़ावा देती रहेगी।

वन विभाग के अमले को शिविर में दिया स्वास्थ्य प्रशिक्षण

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गेम परिक्षेत्र सर्रा, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वन विश्रामगृह सर्रा में मैदानी अमला के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन आयुष विभाग जिला दमोह के सहयोग से सफल स्वास्थ्य प्रशिक्षण संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित टीआर कुलस्ते द्वारा बताया गया कि मैदानी अमला जो वन क्षेत्र में ही रहकर कार्य करते हैं तथा इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंच पाते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया है यदि हमारा मैदानी वन अमला स्वस्थ रहेगा तो मैदानी अमला स्वस्थ मन से एवं उच्च ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे जिससे उनके कार्य क्षमता में वृद्धि होगी तथा उच्च गुणवत्तापूर्ण कार्य करेंगे जिससे स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण होगा। पेड़ पौधों एवं वन प्राणियों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। आयुष विभाग संस्था प्रभारी आयुष्मान आरोग्यम मंदिर सर्रा में पदस्थ डॉ. रामराज सिंह ने बताया जिसके त्रिदोष (वात,पित्त,कफ) संतुलित हों, जठराग्नि (पाचन शक्ति) सामान्य हो, धातु (रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, शुक्र) और मल (मूत्र, पुरिष, स्वेद) की क्रियाएं संतुलित रूप से हो रही हों, और जिसका मन, इन्द्रियाँ एवं आत्मा प्रसन्न हों। वही व्यक्ति स्वस्थ कहलाता है। योग प्रशिक्षक मुकेश सिंह ठक्कर ने योग की परिभाषा बताते हुए योग का मतलब होता है जुड़ना, मिलना बताया एवं श्री भगवत गीता के दूसरे अध्याय के 48 में श्लोक में लिखा है ष्समत्वं योग उच्यतेष् का अर्थ है कि सफलता और असफलता, सुख और दुःख, लाभ और हानि, किसी भी परिस्थिति में मन को समान या संतुलित रखना ही योग है। शिविर में 50 लोगों का बीपी, शुगर एवं अन्य बीमारियों का परीक्षण किया।

दशहरा कार्यक्रम में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत होंगे शामिल

सागर, दोपहर मेट्रो

नगर निगम द्वारा 2 अक्टूबर को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पीटीसी ग्राउंड पर शाम 6 बजे से राधे - राधे संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों एवं नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी, उसके बाद शाम 7 बजे आतिशबाजी के साथ 51 फुट के रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने दशहरा महोत्सव पर सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों अलग-अलग दायित्व सौंपे हैं।

युवक की करंट लगने से मौत

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवरी निजाम में जवारे विसर्जन करने जा रहे युवक की करंट लगने से मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम 6.45 बजे ग्राम के लोग एवं पंडा के साथ संदीप पिता धन्नू यादव 17 निवासी देवरी निजाम जो आगे आगे बांस के डंडे में झंडा लेकर जवारे विसर्जन करने ग्राम के ही पास नदी जा रहा था जैसे ही संदीप 11 केव्ही लाईन के नीचे पहुंचा बांस का डंडा तार में डच हो गया बांस गीला होने के कारण युवक को करंट लगा और संदीप झंडा सहित दूर जा गिरा परिजन एवं ग्राम के लोग नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डांक्टरों ने मृत घोषित कर दिया बुधवार की सुबह पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर मामला दर्ज कर जांच में लिया हैं।

मेट्रो एंकर पर्यटकों के लिए प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में 15 कन्याओं का पहला पर्यटक जत्था

बेटी को दुनिया की सैर कराओ थीम पर पर्यटकों के लिए बुकिंग शुरू

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने मां जगतजननी के वाहन शेर के दर्शन कराने लिए पहले पर्यटक के रूप में 15 कन्याओं का पूजन कर पार्क के गेट खोले। 1 अक्टूबर को शारदेय नवरात्र की नवमीं थी, जिस दिन कन्या पूजन का विधान है, पार्क प्रबंधन ने इस अवसर को भुनाया। तीन वाहनों में 5-5 छात्राओं को इस सत्र के पहले पर्यटक के रूप में निःशुल्क प्रवेश कराया। टाइगर रिजर्व के हिनौती गेट पर सुबह छिरारी व मुहली कन्या स्कूल की 15 छात्राओं को लाया गया। जहां पार्क प्रबंधन के सभी अधिकारी मौजूद रहे। जिन्होंने 5-5 कन्याओं को तीन जिप्सियों में बिठाकर विधि-विधान से पूजन किया। तिलक, श्रीफल से पूजन कर पुष्प गुच्छ समर्पित किए गए। छात्राओं को टाइगर रिजर्व के कुशल गाइडों व अधिकारियों की निगरानी में पार्क का भ्रमण कराया गया। छात्राओं को पिपला, जमरासी, खपरखेड़ा, मुकला, बड़पानी, मुहली होते हुए छेवला कैंप में ले जाया गया।

अब व्यारमा की तलहटी में प्रदेश व देश का सबसे लंबा क्षेत्रफल वाला वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व बन गया है। जो पहले भारतीय भेड़िए का प्राकृतिक आवास जाना जाता था अब यहां बाघ, तेंदुआ व इसी प्रजाति की जंगली बिल्लियां बड़ी संख्या में मौजूद हैं। साथ ही यहां अफ्रीकन चीतों को बसाने की कार्ययोजना चल रही है। इसके अलावा जैव विविधता के साथ प्राकृतिक संपदा के तौर पर भी अलग पहचान है। यहां की दो नदियां बामनेर और व्यारमा का पानी गंगा और नर्मदा तक पहुंचता है इसलिए इसे बाघों का पुराना बसेरा भी कहा जाता है।

नौरादेही अभयारण्य व रानी दुर्गावती अभयारण्य को मिलाकर वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व बनाया गया है। जिसका क्षेत्रफल 2339 वर्ग किमी है। जिसमें से 1414 वर्ग किमी कोर एरिया है। यह मध्य प्रदेश का 7 वां और भारत का 54 वां टाइगर रिजर्व है। जिसका दायरा सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों तक फैला हुआ है यहां बाघों के साथ ही चीतों की बसाहट की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून ने चीतों की बसाहट के लिए मुहली, झापन और सिंहपुर का क्षेत्रफल करीब 600 वर्ग किमी चिन्हित किया है।

जंगल, पहाड़, गुफाएं, मैदान नदियां, जीव-जंतु की मौजूदगी

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में सघन वन, ऊंचे पहाड़ जिनमें गहरी गुफाएं, मैदान व नदियां, जलाशय मौजूद हैं। सबसे बड़ी बात है कि जैव विविधता के मामले में यहां पर वनस्पति, जीव जंतु, पक्षी, तितलियां व वन्य प्राणियों में शाकाहारी व मांसाहारी दोनों प्रकार के मौजूद हैं। यहां उल्लेखनीय यह भी है कि 7 प्रजाति के विलुप्त गिद्धों की आबादी भी यहां पर 1600 के ऊपर पहुंच गई है। अब यहां काले हिरणों के झुंड जो बाघ का सर्वोत्तम आहार है, बड़ी संख्या में दिखने लगे हैं। अभयारण्य में नीलगाय, चिंकारा, चीतल, सांभर, काला हिरण, चौसिंघा, लंगूर और लाल मुंह वाले बंदर इनके अलावा यहां नेवले, ब्रॉक और मॉनिटर छिपकलियां भी देखी जा सकती है। मांसाहारी वन्यप्राणियों में यहां पर बाघ, तेंदुआ, भालू, भेड़िया, जंगली श्वान, हाइना, सियार, जंगली बिल्लियां, लोमड़ी का रहवास है।

आज तारादेही में गायिका संजो बघेल देंगी भजन की प्रस्तुति

तारादेही/तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

ग्राम तारादेही में नवरात्रि पर्व पर माता रानी की आराधना की जा रही है। सबसे बड़ी बात है कि सम्पूर्ण ग्राम में एक ही स्थान बस स्टेंडरेंज परिसर में माता रानी की स्थापना की जाती है। इसके अलावा पिछले 53 सालो से लगातार एक ही परिवार के द्वारा माता रानी का पूजन करते आ रहे है। जिसमें सबसे पहले स्वः पंडित श्याम सुंदर शास्त्री एवं इसके बाद लगभग 20 सालो से इनके पुत्र पंडित रमेश शास्त्री गुन्जौरा के द्वारा पूजन की जा रही है। जिस कारण सम्पूर्ण ग्रामवासियों ने लगातार पूजन करते आ रहे पंडित रमेश चंद शास्त्री का फूलमालाओ एवं साल श्रीफल से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा ग्राम की सम्पूर्ण जैन समाज ने भी साल श्रीफल एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया है। साथ ही पूजन में सहयोग करने बाले पंडित जगदीश तिवारी एवं पंडित राजेश दुबे का भी सम्मान किया गया। इसके अलावा आज दशहरा मनाया जाएगां जिसमें माता रानी की धूमधाम से शोभा यात्रा निकाली जाएगीं। साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत के उपलक्ष्य में रावण दहन किया जाएंगा। रात्रि में मध्य प्रदेश शासन के धर्मस्व व संस्कृति विभाग के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी की उपस्थिती में भजन गायिका संजो बघेल के टीम के द्वारा भजनो का आयोजन किया जाएगां। सम्मान कार्यक्रम में तिलक सिंह, उपेंद्र सिंघई, अखिलेश सिंघई, ठाकुर छप्पन सिंह, ठाकुर लक्ष्मण सिंह, राजा सिंह, प्रमोद चैधरी, मुकेश व्या सरपंच,अर्जुन सिंह, शिब्बू, कैलाश बरानिया, गोविंद घोषी उपस्थित रहे।

इंडियन रेसिंग फेस्टिवल राउंड 3

कारी मोटर स्पीडवे पर 4-5 अक्टूबर के बीच हाई-वोल्टेज एक्शन

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 4-5 अक्टूबर के बीच प्रतिष्ठित कारी मोटर स्पीडवे में अपने तीसरे राउंड के लिए तैयार है। मिड-सीजन ब्रेक के बाद, यह चैंपियनशिप एक्शन से भरपूर शुरुआती राउंड (कारी मोटर स्पीडवे और चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट) के बाद लौट रही है।

जैसे-जैसे प्रतिद्वंद्विताएं तेज होती जा रही हैं और खिताबी जंग अपने चरम पर पहुंच रही है, फैंस गति, ड्रामा और कड़ी टक्कर से भरे एक यादगार सप्ताहांत की उम्मीद कर सकते हैं। इस राउंड का मुख्य आकर्षण इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) पर होगा, जो एक फ्रेंचाइजी आधारित सीरीज है। इसके साथ ही फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप और जेके टायर नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप एलजीबी एफ4 पर भी ध्यान दिया जाएगा। लगातार 28वें वर्ष आयोजित हो रही जेके टायर नेशनल रेसिंग

चैंपियनशिप देश की सबसे लंबी चलने वाली मोटरस्पोर्ट चैंपियनशिप है, जिसे एक ही प्रमोटर की ओर से संचालित किया जाता है। इसमें भारत में बनी फॉर्मूला एलजीबी4 कारें शुरुआत से ही हिस्सा रही हैं और तकनीकी सुधारों के साथ निरंतर विकसित हुई हैं। आईआरएल ड्राइवर्स हर अंक के लिए जूझ रहे हैं। टेबल-टॉप पर संघर्ष बेहद रोमांचक हो चुका है। हैदराबाद ब्लैकबर्ड्स, जिनका नेतृत्व ब्रिटेन के जॉन लैंकेस्टर, अक्षय बोहरा, चेक रिपब्लिक की गैब्रिएला जिलकोवा और मोहम्मद रयान कर रहे हैं, 51 अंकों के साथ मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। स्पीड डेमंस दिल्ली के पास 50 अंक हैं, जो जरा-सी चूक का फायदा उठाकर लीड हासिल करने को तैयार है। वहीं, कोलकाता रॉयल टाइगर्स 49 अंकों के साथ दोनों टीमों से पीछे हैं, जिससे यह खिताबी मुकाबला रोमांचक हो गया है, जहां हर लैप बेहद अहम है। फैंस ने पहले ही देखा है कि कैसे कोयंबटूर और चेन्नई ने अलग-अलग चुनौतियां पेश की थीं। सीजन ओपनर में, कोयंबटूर के पहले दिन राउल हायमन ने ट्रैक ले-आउट को तुरंत अपना लिया था, वहीं दूसरे दिन साई संजय (स्पीड डेमंस दिल्ली) ने अपनी तेज रफ्तार से सभी को प्रभावित किया। अब दो राउंड के बाद टीमें बेहतर तैयारी के साथ लौट रही हैं। ट्रैक के लंबे सीधे हिस्सों पर कारें हाई-स्पीड प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। दूसरी ओर, चेन्नई में बारिश ने क्वालीफाइंग को बेहद मुश्किल बना दिया था।

गलती की नहीं रहती गुंजाइश

कारी मोटर स्पीडवे अपनी टाइट ले-आउट और अनिश्चित मौसम के लिए जाना जाता है, जहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं रहती। अचानक हुई बूंदाबांदी या तापमान में बदलाव पलक झपकते ही लीडरबोर्ड को उलट सकता है। ऐसे में सही रणनीति और रॉ स्किल्स का होना बेहद जरूरी है। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल (आरपीपीएल) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अखिलेश रेड्डी ने कहा, दो राउंड पूरे होने के बाद हमने प्रतिस्पर्धा और फैन एंगेजमेंट में उत्साहजनक इजाफा देखा है। कारी मोटर स्पीडवे पर वापसी हमेशा खास होती है। उन्होंने इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के विजन पर कहा, हमारा मिशन घरेलू टैलेंट को निखारना और एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो। भारत अपने खुद के मोटरस्पोर्ट कल्चर के लिए तैयार है। हम इंडियन रेसिंग फेस्टिवल को वैश्विक कैलेंडर पर एक प्रतिष्ठित आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक तो चोरी फिर बदतमीजी, मोहसिन नकवी की एक और गिरी हुई हरकत

बीसीसीआई से माफी मांगकर मुकर गए पीसीबी अध्यक्ष

नई दिल्ली , एजेंसी

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने कभी भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से माफी नहीं मांगी। दरअसल, एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता, लेकिन मुकाबले के बाद ट्रॉफी वितरण को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ, उसने क्रिकेट प्रशासकों और फैंस दोनों के बीच गर्मी बढ़ा दी। इससे पाकिस्तान क्रिकेट टीम और मोहसिन नकवी की खूब किरकिरी हुई थी।

मैच में भारत ने पहले ही फैसला कर लिया था कि वह ट्रॉफी नकवी के हाथ से नहीं लेंगे, जबकि नकवी बेशर्मी की हद पार करते हुए ट्रॉफी और मेडल अपने साथ ले गए और एशियन क्रिकेट काउंसिल के ऑफिस तक में भेज दिया। इस घटना ने पीसीबी की साख पर सवाल खड़ा कर दिया था। इस घटना के बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि नकवी ने बीसीसीआई से माफी मांगी। हालांकि, अब नकवी ने इन रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने न कभी बीसीसीआई से माफी मांगी है और न ही कभी मांगेंगे। नकवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय मीडिया झूठ पर फलता-फूलता है, तथ्यों पर नहीं। मैं यह बिल्कुल स्पष्ट कर दूं कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी है और न ही कभी मांगूंगा। उन्होंने आगे लिखा, एसीसी अध्यक्ष के तौर पर, मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर वे सचमुच इसे चाहते हैं, तो वे एसीसी कार्यालय आकर मुझसे इसे ले सकते हैं।

रिपोर्ट्स में किया गया था माफी मांगने का दावा

इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि नकवी ने बीसीसीआई से माफी मांगी। नकवी ने कहा, जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। नकवी ने यह भी कहा कि यह घटना किसी तरह की नाराजगी पैदा करने के लिए नहीं थी और भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए बेहतर समन्वय और संवाद किया जाएगा। हालांकि, नकवी ने ट्रॉफी लौटाने से इनकार कर दिया और सूर्यकुमार से दुबई के एसीसी ऑफिस आकर ट्रॉफी ले जाने को कहा है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि आशीष शेलार ने मीटिंग में कहा कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पहले ही एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी और पदक भेजने की मांग की थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

एसीसी मीटिंग में बीसीसीआई प्रतिनिधियों का विरोध

कोई जवाब न मिलने पर बीसीसीआई के प्रतिनिधि अशिष शेलार और राजीव शुक्ला ने एसीसी की बैठक से बीच में ही बाहर निकलकर विरोध जताया था। बीसीसीआई चाहता है कि ट्रॉफी और पदक एसीसी के दुबई कार्यालय में पहुंचाए जाएं, जहां से भारतीय बोर्ड इसे प्राप्त कर सके। लेकिन शेलर को इस पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके चलते शेलार और शुक्ला ने मीटिंग से बाहर निकलने का फैसला किया। बीसीसीआई अधिकारी ने यह भी कहा कि मीटिंग की शुरुआत में नकवी ने भारतीय अधिकारियों को खिताब जीतने पर बधाई नहीं दी।

ट्रॉफी वितरण का नाटक

फाइनल के बाद पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारतीय कप्तान सुर्यकुमार यादव ने फिर मीडिया से बातचीत में बताया कि खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम के अंदर नहीं गए और बाहर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी लगभग एक घंटे तक ट्रॉफी लेने के लिए इंतजार करते रहे। सुर्यकुमार ने कहा, हमने दरवाजा बंद नहीं किया और अंदर नहीं बैठे। हमने किसी को प्रेजेंटेशन के लिए इंतजार नहीं कराया। ट्रॉफी लेकर भाग गए नकवी। मैंने यही देखा। कुछ लोग वीडियो बना रहे थे, लेकिन हम वहीं खड़े थे। हम अंदर नहीं गए।

राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप-ओलंपियन विष्णु तीसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली। ओलंपियन और पूर्व एशियाई खेलों के पदक विजेता विष्णु वर्धन और शीर्ष वरीय नितिन कुमार सिन्हा ने बुधवार को डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रही 30वीं राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के तीसरे दौर में अपनी जगह बनाई। विष्णु वर्धन ने पुरुष एकल वर्ग में दीपक को 6-1, 6-2 से आसानी से हरा दिया। पश्चिम बंगाल के नितिन कुमार सिन्हा ने भी तीसरे दौर में जगह बना ली है। दूसरे दौर में नितिन के प्रतिद्वंद्वी स्मित पटेल 6-3, 3-2 के स्कोर पर इंजरी की वजह से मैच से हट गए।

टी20 रैंकिंग : अभिषेक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, पांड्या की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली । भारत के युवा स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में इतिहास रचा है। अभिषेक सबसे ज्यादा रेटिंग प्वाइंट्स हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, पाकिस्तान के सईम अयूब ने हार्दिक पांड्या की टी20 ऑलराउंडर की बादशाहत खत्म कर दी है। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने अब तक की सर्वोच्च रेटिंग (931) हासिल करते हुए लगभग पांच साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

अभिषेक ने एशिया कप 2025 के 7 मुकाबलों में 44.86 की औसत के साथ 314 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने सुपर-4 मुकाबलों में पाकिस्तान के

खिलाफ 74 रन, जबकि बांग्लादेश के विरुद्ध 75 रन की पारी खेली। श्रीलंका के खिलाफ अभिषेक ने 61 रन बनाए थे। अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्हें एशिया कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया है। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के साथ अभिषेक शर्मा 931 अंकों की रेटिंग पर पहुंच गए। इसी के साथ उन्होंने 919 अंकों की पिछली सर्वश्रेष्ठ रेटिंग को पीछे छोड़ दिया, जो इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान ने 2020 में हासिल की थी। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने साथी सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली की पिछली सर्वश्रेष्ठ रेटिंग को भी पीछे छोड़ दिया। टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में हार्दिक पांड्या एक स्थान फिसलकर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि सईम अयूब चार स्थान की छलांग लगाते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर चुके हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बनी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा

कैंसर से जंग लड़ते हुए भी हिना खान ने रखा फिटनेस का ख्याल

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार होते हैं जो अपने काम के साथ-साथ अपने जीवन की चुनौतियों से भी जूझते हैं। ऐसे में जब कोई सेलिब्रिटी बड़ी मुश्किल बीमारियों का सामना करते हुए भी अपने काम और फिटनेस को लेकर समर्पित रहती है, तो वह सभी के लिए प्रेरणा बन जाती है। भारतीय टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने भी अपनी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हिना का नाम सिर्फ उनकी अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि उनके मजबूत हौसले और फिटनेस के प्रति समर्पण के लिए भी जाना जाता है। जब वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं, तब भी उन्होंने जिम और योगा से दूरी नहीं बनाई। उनका फिटनेस डेडिकेशन सचमुच लोगों को प्रेरणा देता है। हिना खान का जन्म 2 अक्टूबर 1987 को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुआ था। शुरू में उनका मन पत्रकारिता की पढ़ाई करने का था, लेकिन समय के साथ उनकी रुचि और किस्मत उन्हें अभिनय की दुनिया में ले आई। हिना ने दिल्ली से एमबीए की पढ़ाई पूरी की और उसके बाद मुंबई आकर एयर होस्टेस बनने की तैयारी भी की।

हिना खान ने कई टीवी शो में किया काम

हिना खान ने इसके बाद भी कई टीवी शो और वेब सीरीज में काम किया। कसौटी जिंदगी की 2 में उन्होंने कोमोलिका का नेगेटिव रोल निभाया, जिसे दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इसके अलावा, हिना ने रियलिटी शो जैसे बिग बॉस 11 और खतरों के खिलाड़ी में भी हिस्सा लिया। उन्होंने अपने अभिनय और मेहनत से कई पुरस्कार भी जीते हैं, जिनमें भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार, इंडियन टेली अवार्ड्स और गोल्ड अवार्ड्स प्रमुख हैं। इन पुरस्कारों ने उनके करियर को और ऊंचाइयों तक पहुंचाया। लेकिन हिना खान की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ भी आया, जब उन्हें ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला, जो तीसरी स्टेज तक पहुंच चुका था। यह खबर उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका थी, मगर हिना ने हार नहीं मानी। उन्होंने बीमारी से लड़ते हुए भी अपनी सकारात्मकता और हिम्मत का परिचय दिया। कैंसर के इलाज के दौरान भी वे अपनी फिटनेस का खास ख्याल रखती रहीं।

बिग बॉस 19 : अशनूर कौर ने फरहाना भट्ट को दी चेतावनी, कहा परवरिश पर मत जाओ

मुंबई । रियलिटी शो बिग बॉस 19 के आने वाले एपिसोड में कंटेस्टेंट अशनूर कौर और फरहाना भट्ट के बीच जबरदस्त बहस देखने को मिलेगी। इसके प्रोमो में इसकी झलक देखने को मिली है। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसे शेयर किया है। इसमें बिग बॉस सभी लोगों को असेंबली हॉल में आने को कहते हैं। इसके बाद वो घर की कप्तान फरहाना को सभी कंटेस्टेंट की घर में रहने की काबिलियत को रैंक करने को कहते हैं। कंटेस्टेंट गौरव खन्ना के बारे में बात करते हुए फरहाना ने कहा, जीके, अपने शब्दों को जुबान पर लाएं जो भी आप सोचते हों। फिर उन्होंने मृदुल के बारे में बात की और कहा, मृदुल का इस घर में आने का मकसद है कुछ किए बगैर ही आगे बढ़ जाना। लेकिन जब उन्होंने अशनूर के बारे में अपनी राय दी, तो दोनों में तीखी बहस हो गई। फरहाना ने कहा, अशनूर, तुम सबसे ज्यादा पाखंडी हो। इस पर अशनूर ने जवाब दिया, पाखंडी आप हैं, मैं नहीं। फिर फरहाना कहती हैं, मेरी परवरिश आपकी तरह नहीं है। फिर गुस्से में अशनूर फरहाना को चेतावनी देते हुए कहती हैं, परवरिश पर तो जाओ ही मतज्इसके बाद फरहाना उन्हें नकली कहती हैं। इसके जवाब में अशनूर कहती हैं कि उन्हें पता है कि वो नकली नहीं हैं और वह अपने इस फैसले के साथ खड़ी हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में तेजी से बढ़ रही अरबपतियों की संख्या, 2025 में हर हफ्ते मिला नया बिलेनियर

नई दिल्ली । भारत में अरबपति लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और इस साल अब तक हर हफ्ते एक नया बिलेनियर देश को मिला है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक, भारत में अब 350 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले जब यह सूची पहली बार जारी की गई थी, तब की तुलना में छह गुना अधिक है। हुरुन लिस्ट के 14वें संस्करण में 1,687 ऐसे कारोबारियों के नाम शामिल हैं जिनकी संपत्ति 1,000 करोड़ रुपए से अधिक है।

इस लिस्ट में 284 नए लोगों को शामिल किया गया है, जिससे पिछले साल के मुकाबले इस सूची में मौजूद कारोबारियों की संख्या में 148 का इजाफा हुआ है। वहीं, बीते पांच वर्षों में यह संख्या 859 बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस सूची में शामिल लोगों की संयुक्त संपत्ति बढ़कर 167 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा स्पेन की जीडीपी से अधिक और भारत की जीडीपी के बराबर है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वैश्विक उतार-चढ़ाव और तनाव के कारण लिस्ट में शामिल लोगों की औसत संपत्ति गिरकर 9,850 करोड़ रुपए रह गई है, जो कि पिछले साल 10,320 करोड़ रुपए थी। भारत के शीर्ष 10 सबसे अमीर लोग और भी अधिक अमीर और युवा होते जा रहे हैं।

यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दोहराया कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से होने वाले ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाने का फिलहाल केंद्रीय बैंक का कोई प्रस्ताव नहीं है। आरबीआई गवर्नर ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद अपने संबोधन में यूपीआई ट्रांजैक्शन को लेकर स्पष्टीकरण दिया। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ??ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि यूपीआई हमेशा मुफ्त रहेगा, लेकिन उन्होंने कहा था कि यूपीआई के कामकाज से जुड़े खर्चों को किसी को तो वहन करने की जरूरत होगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा, मैंने कहा था कि यूपीआई ट्रांजैक्शन से जुड़े कुछ खर्च होते हैं और उन्हें किसी न किसी को वहन करना होगा। उन्होंने पिछली नीतिगत बैठकों के बाद भी यूपीआई ट्रांजैक्शन को लेकर स्पष्टीकरण दिया था। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के लेटेस्ट डेटा के अनुसार, बीते महीने सितंबर में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़कर 19.63 बिलियन हो गई, जिसमें सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ट्रांजैक्शन अमाउंट की बात करें तो यह बीते महीने सितंबर में 21 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ बढ़कर 24.90 लाख करोड़ हो गया। मासिक आधार पर भी ट्रांजैक्शन अमाउंट को लेकर वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि अगस्त में 24.85 लाख करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। एनपीसीआई के डेटा के अनुसार, एवरेज डेली ट्रांजैक्शन काउंट 654 मिलियन और एवरेज डेली ट्रांजैक्शन अमाउंट 82,991 करोड़ रुपए हो गया है। इससे पहले बीते महीने अगस्त में एवरेज डेली ट्रांजैक्शन काउंट 645 मिलियन और एवरेज डेली ट्रांजैक्शन अमाउंट 80,177 करोड़ रुपए दर्ज किया गया था।

जंगल का 'राजा' चला समुद्र तट, मिला नया ठिकाना

अहमदाबाद, एजेंसी। यूं तो शेरों का प्राकृतिक आवास जंगल ही है, लेकिन गुजरात में गिर के जंगलों में रहने वाले शेरों ने अपना नया ठिकाना ढूंढना शुरू कर दिया है। अब वो समुद्र किनारे बीच पर घूमते हुए दिख रहे हैं। इस नए बदलाव से वन्यजीव विशेषज्ञ हैरान हैं। समुद्र तट पर रहने वाले एशियाई शेरों की संख्या बढ़ती जा रही है। 2015 में जहां इनकी संख्या महज 10 थी, वो अब बढ़कर 134 तक पहुंच चुकी है। 2020 की तुलना में ही 34 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। अब विशेषज्ञों का मानना है कि गुजरात के 300 किलोमीटर समुद्र तटों पर शेरों की संख्या आने वाले समय में बढ़ेगी क्योंकि गिर की तुलना में यहां उनके लिए माहौल ज्यादा अनुकूल है।

गुजरात में पहली बार समुद्र किनारे 1995 में शेर देखे गए। 2020 में यह संख्या बढ़कर 100 तक पहुंच गई थी। 2025 की जनसंख्या में इसमें 34 शेर और बढ़ गए। गुजरात के तटों पर प्रोसोपिस जूलिफ्लोरा (गांडो बवाल) नाम की घास होती है, जो शेरों के लिए बढ़िया आवास साबित हो रही है। यहां नीलगाय और जंगली सुअर काफी हैं, इसलिए शिकार की भी कोई कमी नहीं है। इसके अलावा यहां का तापमान भी उनके अनुकूल है। समुद्र से आनी वाली हवाओं के चलते वो गर्मी से उन्हें राहत मिलती है।

अस्थि विसर्जन को जा रहे परिवार की कार ट्रक में घुसी, 6 की मौत

मुजफ्फरनगर,एजेंसी। हरियाणा के घरौंडा खंड के फरीदपुर गांव से अस्थियां विसर्जित करने हरिद्वार जा रहे एक परिवार के पांच सदस्यों और ड्राइवर की मुज्जफरनगर के नजदीक भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। सुबह करीब 6 बजे मुजफ्फरनगर जिले के तितावी इलाके में जयदेव होटल के पास उनकी गाड़ी एक खड़े ट्रक से जा टकराई। अर्टिगा गाड़ी में सवार महेंद्र की पत्नी मोहिनी (45), बड़े बेटे पीयूष (22), पानीपत निवासी जीजा राजेंद्र (60), बहन विम्मी (50) और ड्राइवर शिवा की मौके पर ही मौत हो गयी। महेंद्र की छोटी बहन अंजू (46) और बेटे हार्दिक (17) को बघरा कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने अंजू को मृत घोषित कर दिया। हार्दिक की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन परिवार उसे लेकर पानीपत के एक निजी अस्पताल पहुंचा।

महेंद्र जुनेजा पानीपत में सेनेटरी स्टोर चलाते थे। बीमारी की वजह से वह खुद काम नहीं कर पाते थे, इसलिए उनके बेटे पीयूष और हार्दिक दुकान संभालते थे। पीयूष ने हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था, जबकि हार्दिक 10वीं का छात्र है।

दिवाली से पहले ही खराब हुई नोएडा की हवा, बना दूसरा सबसे प्रदूषित शहर

नोएडा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के नोएडा में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लागू होने के पहले ही दिन बहुत ख़राब स्थिति में पहुँच गई है। गुरुवार को प्रदूषण के स्तर के हिसाब से नोएडा देश का दूसरा सबसे अधिक प्रदूषित शहर दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 227 रहा। खास बात यह है कि 122 दिनों बाद नोएडा की हवा खराब श्रेणी में गई है। इससे पहले 31 मई को यहां प्रदूषण का स्तर बढ़ा था।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम में बदलाव को ध्यान में रखते हुए एक अक्टूबर से ग्रैप लागू कर दिया गया है, हालांकि इसके अंतर्गत आने वाले प्रतिबंध अभी शुरू नहीं किए गए हैं। आमतौर पर अक्टूबर के महीने से ही क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है, इसीलिए इस अवधि में प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य कर दिया जाता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के मीडिया सलाहकार ने बताया कि ग्रैप के तहत पाबंदियां तभी लागू होंगी, जब दिल्ली में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा। फिलहाल दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से नीचे बना हुआ है।

सबसे प्रदूषित शहर मैहर

देश के प्रदूषित शहरों की सूची में बुधवार को मध्य प्रदेश का मैहर सबसे ऊपर रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की रिपोर्ट के अनुसार मैहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 232 दर्ज किया गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश का नोएडा दूसरे नंबर पर रहा, जहां एक्यूआई 227 मापा गया। तीसरे स्थान पर तमिलनाडु का गुम्मिडीपूंडी रहा, जहां एक्यूआई 203 तक पहुंचा। वहीं, दिल्ली का एक्यूआई 130 दर्ज हुआ। एनसीआर के अन्य शहरों की बात करें तो ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 153, गाजियाबाद का 83, फरीदाबाद का 69 और गुरुग्राम का सूचकांक 78 दर्ज किया गया।

क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

पुलिसवालों की सबसे ज्यादा हत्याएं नक्सली, दंगाई और गैंगस्टरों ने की

नई दिल्ली, एजेंसी

विभिन्न तरह के पुलिस ऑपरेशंस में नक्सलियों, दंगाइ और गैंगस्टरों ने पुलिसवालों की सबसे अधिक हत्याएं की। इन्हें जहां भी मौका मिला, वहीं पर इन्होंने देशभर में खाकी को लहूलुहान किया। एनसीआरबी द्वारा जारी 2023 की क्राइम रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑल यूनिफॉर्म पुलिस पर्सनल के उपर नॉर्थ-ईस्ट के विद्रोहियों, आतंकवादियों, जिहादियों और बॉर्डर फायरिंग में नक्सलियों, दंगाइयों, गैंगस्टरों, डकैतों और गली-मोहल्लों के बदमाशों ने पुलिस वालों के सबसे अधिक मर्डर किए।

आंकड़ों के मुताबिक इस तरह के हमलों में 2023 में 71 पुलिस वालों की हत्या हुई। इनमें सबसे अधिक 26 पुलिसवालों को नक्सलियों ने मारा। जबकि 17 पुलिस वालों को देशभर में हुए विभिन्न दंगों के दौरान दंगाइयों ने मार डाला। 12 पुलिसवालों को गैंगस्टर, डकैत और बदमाशों ने। पांच पुलिसवालों को आतंकवादियों ने मारा। जबकि 11 पुलिसवाले अपने हथियार से दुर्घटनावश चली गोली से मारे गए।

247 की एक्सीडेंट से हुई मौत

इनके अलावा 247 पुलिसवाले एक्सीडेंट में मारे गए। इनकी वजह अलग-अलग रहीं। मारे गए पुलिसवालों में सबसे अधिक 140 सिपाही मारे गए। इनमें 104 एक्सीडेंट में मारे गए। जबकि 89 हवलदार, 36 एएसआई, 27 एसआई, सात

इंस्पेक्टर और तीन गजेटेड अफसर समेत 16 अन्य पुलिस वाले मारे गए।

इसी तरह से विभिन्न तरह के पुलिस ऑपरेशंस में 1271 पुलिस वाले घायल हुए। इनमें सबसे अधिक 510 पुलिस वालों को गैंगस्टर, डकैत और बदमाशों ने गोली-चाकू मारकर या अन्य तरह से हमला करके गंभीर रूप से घायल किया। 386 दंगों के दौरान घायल हुए और 69 नक्सली ऑपरेशन के दौरान घायल हुए। मारे गए पुलिस वालों में छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 26 पुलिसवालों को नक्सलियों ने मारा। जबकि बिहार में चार पुलिस वालों को गैंगस्टर-बदमाशों ने मार डाला।

आतंकियों ने तीन को मारा

उत्तर प्रदेश में दो, पंजाब में दो, हरियाणा में एक और राजस्थान में भी बदमाशों ने एक पुलिस वाले को मारा। जबकि दिल्ली में भी 2023 में बदमाशों ने दो पुलिस वालों को मारा था। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने तीन पुलिस वालों को मारा। इनके अलावा पुलिस ऑपरेशंस में 57 आम लोग भी मारे गए। जिसमें दंगों के दौरान पुलिस फायरिंग में बिहार में दो, महाराष्ट्र में एक और पुलिस लाठीचार्ज की वजह से मणिपुर में छह और हरियाणा में दो सिविलियन मारे गए थे। जबकि पुलिस ऑपरेशंस के दौरान मणिपुर में इस साल विद्रोहियों द्वारा की गई फायरिंग में 24 लोग मारे गए थे। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा की गई फायरिंग और बम धमाके में 10 लोग मारे गए थे।

कहा- ज्ञान मत दो... अपने देश के बारे में बताओ

पाकिस्तान को भारत की यूएनएचआरसी में लताड़

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में एक बार फिर लताड़ा है। उसने पाक को अल्पसंख्यकों के मामले को लेकर सख्त संदेश दिया। भारत ने कहा कि जो देश खुद अपने यहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करता है, वह दूसरों को मानवाधिकारों के मामले पर कैसे उपदेश दे सकता है। भारतीय राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने जेनेवा में यूएनएचआरसी के 60वें सत्र की 34वीं बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने इस दौरान कहा, भारत को यह गहरा विरोधाभासी लगता है कि पाकिस्तान जैसा देश दूसरों को मानवाधिकारों पर उपदेश देने की कोशिश करता है। उसे दूसरों पर सवाल उठाने से पहले

अपने यहां अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को देखना चाहिए।

झूठ की मशीन पाकिस्तान

दरअसल पाकिस्तान अलग-अलग मौकों पर भारत के खिलाफ झूठ बोलता रहा है। वह भारत पर कई बार मानवाधिकार से जुड़े गंभीर आरोप लगा चुके हैं, लेकिन सच यह है कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद के लिए जिम्मेदार और उसकी जमीन पर आए दिन निर्दोष लोगों को जान गंवानी पड़ती है। पाक में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार बढ़ गई है, कई रिपोर्ट्स में इसका खुलासा भी हुआ है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भी आए दिन विरोध प्रदर्शन होते रहते हैं। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार संगठन पीएएके ने सिर्फ 2025 की पहली छमाही में 785 गुमशुदगी और 121 हत्याओं की रिपोर्ट की है। वहीं पश्तून संगठनों ने भी बड़ा दावा किया था। उन्होंने एक साल में करीब 4,000 लोगों के लापता होने की शिकायत की थी। अहम बात यह है कि ये आंकड़े ऐसे हैं जो कि सबके सामने हैं, वहीं कई ऐसे लोग भी हैं जो पाकिस्तान गायब हुए या उनकी हत्या हुई तो सार्वजनिक रूप से जानकारी सामने नहीं आ सकी।

बिहार में भाजपा को झटका, चार बार के विधायक यादव प्रशांत के साथ

पटना, एजेंसी

बिहार की राजनीति में बीजेपी को एक और बड़ा झटका लगा है। अररिया जिले के वरिष्ठ नेता और चार बार के विधायक रह चुके जनार्दन यादव ने बीजेपी का साथ छोड़कर प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाले जन सुराज अभियान का दामन थाम लिया है। प्रशांत किशोर ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। जनार्दन यादव का राजनीतिक जीवन जेपी आंदोलन से शुरू हुआ था। छात्र राजनीति से ही उन्होंने सक्रियता दिखानी शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे वे बीजेपी के महत्वपूर्ण नेताओं में शुमार हो गए। अररिया जिला राजनीति में उनका प्रभाव लगातार बना रहा। चार बार विधायक बनने का गौरव हासिल करने वाले जनार्दन यादव को जिले में भाजपा का पुराना सिपहसलार माना जाता रहा है।

2015 के बाद साइडलाइन होने की शिकायत

2015 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही जनार्दन यादव पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उन्होंने खुले तौर पर बीजेपी नेतृत्व पर आरोप लगाया कि उन्हें लगातार साइडलाइन किया गया। संगठन में सक्रिय भूमिका चाहने के बावजूद उन्हें अवसर नहीं दिए गए। जनार्दन यादव ने कहा कि वे प्रशांत किशोर की सोच और दृष्टिकोण से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति को एक नई दिशा देने का काम प्रशांत किशोर कर रहे हैं और वे इस यात्रा का हिस्सा बनकर प्रदेश के विकास में योगदान देना चाहते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज में अनुभवी नेताओं के जुड़ने से आंदोलन और मजबूत होगा।

मेट्रो एंकर ऐसी है हमारी पुलिस... पुराने संपत्ति विवाद में घायल हुआ था फरियादी

थाने के बाहर घायल तड़पता रहा, साहब गाड़ी धुलवाते रहे

भिंड, एजेंसी

भिंड जिले में दबोह पुलिस स्टेशन एक बार फिर आलोचना के घेरे में है। विगत दिनों एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को पुलिस स्टेशन के बाहर छोड़ दिया गया। आरोप है कि पुलिसकर्मी अपनी गाड़ी धुलवाने में व्यस्त थे। पुलिस पर लापरवाही और असंवेदनशीलता का आरोप लगा है।

यह घटना दबोह पुलिस स्टेशन के तहत बरथरा गांव में हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक पुराने संपत्ति विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नारायण परिहार और कोमल परिहार ने श्यामू परिहार पर कुल्हाड़ी और लाठियों से हमला किया। श्यामू उस समय एक दीवार बना रहे थे। गंभीर रूप से घायल श्यामू परिहार को उनके भाई रामू ने बचाया। रामू उन्हें तुरंत मदद और सुरक्षा के लिए पुलिस स्टेशन ले गए। लेकिन वहां जो हुआ, उसने सभी को चौंका दिया।

शिकायत दर्ज करने के बदले पैसे मांगे

प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि सब-इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार मांझी सहित पुलिसकर्मी, पीड़ित पर ध्यान देने के बजाय अपनी गाड़ी धुलवाने में ज्यादा रुचि ले रहे थे। श्यामू परिहार दर्द से कराहते हुए पुलिस स्टेशन के बाहर पड़े रहे। एक पुलिसकर्मी गाड़ी धुलवाने में व्यस्त था। एक घंटे की देरी के बाद, शिकायतकर्ता के परिवार की बार-बार गुहार पर ही स्नढ्ढक्र दर्ज की गई। इससे भी ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के बदले पैसे मांगे। जब पैसे नहीं दिए गए, तो पीड़ित को ही आरोपी बना दिया गया।

पीड़ित परिवार में नाराजगी

पीड़ित का परिवार इस देरी और कथित जबरन वसूली से बहुत नाराज है। उनका कहना है कि समय पर कार्रवाई न होने से श्यामू परिहार की जान खतरे में पड़ गई। रामू परिहार ने कहा, मेरे भाई को बचाने के बजाय, वे हमसे मोलभाव कर रहे थे। उन्होंने न्याय के लिए सीधे स्क्रूअसित यादव से अपील की है।

अभी तक कोई कार्रवाई नहीं

इंस्पेक्टर राकेश शर्मा ने आरोपों की गंभीरता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि सब-इंस्पेक्टर का व्यवहार अस्वीकार्य था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। हालांकि, शामिल अधिकारियों के खिलाफ अभी तक किसी तत्काल कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना से क्षेत्र में व्यापक गुस्सा फैल गया है। स्थानीय लोग निष्पक्ष जांच और सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कई निवासियों ने इस घटना को सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सत्ता का सीधा दुरुपयोग बताया है। उनका कहना है कि यह दिखाता है कि पुलिस पर जनता का भरोसा क्यों डगमगाया हुआ है।

नेपाल स्टाइल में मोरक्को की सड़कों पर जेन-जी के प्रदर्शन ने पकड़ी रफ्तार

रबात, एजेंसी। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युवाओं के अपनी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने का सिलसिला जारी है। बांग्लादेश, नेपाल, पेरू, मेडागास्कर के बाद अब मोरक्को में विरोध-प्रदर्शन और हिंसा का दौर देखा जा रहा है। मोरक्को में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी लगातार पांचवे दिन भी सड़कों पर उतरे हैं। विरोध प्रदर्शन में हिंसा और तोड़फोड़ के बाद सुरक्षाबलों ने बल प्रयोग किया है और सैकड़ों की संख्या में गिरफ्तारियां की गई हैं। इस प्रदर्शन की शुरुआत सरकार के 2030 के विश्व कप की तैयारी में बेतहाशा खर्च के विरोध के तौर पर हुई, जो अब देशव्यापी रूप ले चुका है।

मुस्लिम बाहुल्य देश मोरक्को में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कोई बड़ा नेता या संगठन नहीं कर रहा है। इंटरनेट के जरिए टिकटॉक और डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफॉर्म पर शुरू हुए युवाओं के इस आंदोलन को देशभर में समर्थन मिल रहा है। मोरक्को के जेन जेड विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले युवा देश में व्यापक भ्रष्टाचार पर नाराज हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564